केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 231 सोमवार 16 मार्च 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

कमीशन मांगने वाला लिपिक गिरफ्तार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । विक्रमजोत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में एरियर भुगतान के नाम पर कमीशनखोरी का मामला सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग में हलचल मची हुई है। आरोप है कि सीएचसी के प्रधान लिपिक प्रदीप श्रीवास्तव ने एक महिला स्वास्थ्यकर्मी से बकाया एरियर जारी कराने के बदले 10 प्रतिशत कमीशन मांगा।

मामला तब तूल पकड़ गया जब रिश्वत लेते हुए उनका एक वीडियो वायरल हो गया। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए रविवार को आरोपी प्रधान लिपिक को गिरफ्तार कर लिया। वहीं मुख्य चिकित्साधिकारी (सीएमओ) ने भी आरोपी कर्मचारी के निलंबन की संस्तुति शासन को भेज दी है।

मामले की शुरुआत तब हुई जब स्वास्थ्य विभाग की महिला कर्मचारी सुनीता वर्मा का एरियर लंबे समय से लंबित था। इस संबंध में अदालत से भी भुगतान का आदेश जारी हो चुका था। इसके बावजूद एरियर जारी नहीं हो पा रहा था। आरोप है कि सीएचसी विक्रमजोत में तैनात प्रधान लिपिक प्रदीप श्रीवास्तव ने भुगतान प्रक्रिया आगे बढ़ाने के नाम पर पीड़िता से 10 प्रतिशत कमीशन की मांग की।

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । गौर थाना क्षेत्र में एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। पुलिस ने सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। मृतका के परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया, जिसके बाद पुलिस ने बयान दर्ज कर अंतिम संस्कार की अनुमति दी।

मृतका की पहचान तिलक राम जायसवाल की पत्नी सदिका के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्राधिकारी हरैया स्वर्णिमा सिंह, फॉरेंसिक टीम और गौर थानाध्यक्ष अतुल कुमार अंजान ने घटनास्थल का मुआयना किया और आवश्यक जानकारी जुटाई। पुलिस के अनुसार, परिजनों द्वारा पोस्टमार्टम से इनकार करने के बाद, पुलिस ने दोनों पक्षों के बयान दर्ज किए। इसके उपरांत, शव के अंतिम संस्कार की अनुमति प्रदान की गई, जिसके बाद परिजनों ने अंतिम संस्कार करवाया। मृतका के पति तिलक राम ने पुलिस को बताया कि शनिवार सुबह वह गोरखपुर गए थे। देर रात करीब दस बजे जब वह घर लौटे, तो उन्होंने अपनी पत्नी को बाथरूम के पास गिरा हुआ पाया। वह तुरंत उन्हें निजी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

गैस उपलब्धता, अफवाहों से बचे

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिला पूर्ति अधिकारी ने बताया है कि जनपद में गैस सिलेण्डरों की पर्याप्त आवक एवं उपलब्धता है। किसी भी प्रकार की गैस की कमी से संबंधित अफवाहों से घबराने की आवश्यकता नहीं है। उपभोक्ताओं से अपील है कि अपने पास उपलब्ध गैस सिलेण्डरों का ही उपयोग करें तथा अनावश्यक रूप से अतिरिक्त गैस सिलेण्डर भण्डारित करने से बचें। गैस समाप्त होने पर ऑनलाइन बुकिंग के माध्यम से गैस की उपलब्धता सुनिश्चित करा दी जाएगी।

उसकी जिम्मेदारी स्वयं उपभोक्ता की होगी। उन्होंने यह भी बताया कि गैस बुकिंग कराकर हॉकर के माध्यम से होम डिलीवरी प्राप्त करें।

पांच राज्यों में बजा चुनावी बिगुल, बंगाल में दो और बाकी में एक चरण में मतदान

नई दिल्ली (आभा)। चुनाव आयोग ने रविवार को पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु समेत पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा कर दी। बंगाल में दो चरण में मतदान होगा, जबकि बाकी चारों राज्यों में एक फेज में वोट डाले जाएंगे। इसके बाद, चार मई को सभी राज्यों के नतीजों का ऐलान होगा। पश्चिम बंगाल, असम समेत पांच राज्यों/केंद्र शासित प्रदेश में चुनाव कार्यक्रम की घोषणा हो गई है। पश्चिम बंगाल में दो चरण में मतदान होंगे, जबकि तमिलनाडु, असम, पुडुचेरी और केरल में सभी सीटों पर एक ही फेज में वोट डाले जाएंगे। सभी राज्यों के नतीजों का ऐलान चार मई को होगा। बंगाल में पहले चरण के तहत 23 अप्रैल को वोटिंग होगी, जबकि दूसरे फेज में 29 अप्रैल को मतदान होगा।

असम, केरल और पुडुचेरी की सभी सीटों पर 9 अप्रैल को वोटिंग होगी, जबकि तमिलनाडु की सभी विधानसभा सीटों पर 23 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे। पांच राज्यों में कुल 17.4 करोड़ वोटर्स मतदान करेंगे और कुल विधानसभा सीटें 824 हैं। इन राज्यों में चुनाव को सफलतापूर्वक संपन्न करवाने के लिए चुनाव आयोग 25 लाख कर्मचारियों की तैनाती करेगा। इस महीने की शुरुआत में चुनाव आयोग ने इन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश का दौरा किया था और चुनावी तैयारियों का जायजा लिया था। आयोग ने इन राज्यों में राजनीतिक दलों, सुरक्षा एजेंसियों तथा प्रशासनिक अधिकारियों के साथ विचार–विमर्श किया है।

संवाददाता सम्मेलन में चुनाव आयुक्त डॉ. एस.एस. संधु और विवेक जोशी भी उपस्थित थे। ज्ञानेश कुमार ने कहा, 'आयोग प्रत्येक मतदाता का मतदान केंद्र पर स्वागत करने के लिए तैयार है। हम खासकर पहली बार वोट डालने वाले और युवा मतदाताओं से अपील करते हैं कि वे अपने मताधिकार का उत्साह, आत्म सम्मान और विवेक के साथ प्रयोग कर लोकतंत्र में अपनी जिम्मेदारी निभाएं।'मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बताया कि पांच राज्यों में 17.4 करोड़ वोटर्स मतदान करेंगे। इन सभी राज्यों को मिलाकर कुल 824 विधानसभा सीटें हैं। 2.19 लाख पोलिंग बूथ बनाए गए हैं। सीईसी के अनुसार, असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में प्रति पोलिंग बूथ पर मतदाताओं की औसत संख्या 750–900 है। उन्होंने मतदाताओं के बारे में ब्योरा देते हुए बताया कि अंतिम सूची के अनुसार असम में लगभग 2.25 करोड़, केरल में 2.7 करोड़, पुडुचेरी में 9.44 लाख, तमिलनाडु में 5.67 करोड़ मतदाता होंगे।

कांशीराम जयन्ती पर बसपा ने कराया ताकत का अहसास– लवकुश पटेल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बहुजन समाज पार्टी के वरिष्ठ नेता पूर्व लोकसभा प्रत्याशी लवकुश पटेल उर्फ रिंकू चौधरी ने बताया कि मान्यवर कांशीराम की जयन्ती पर बस्ती से हजारों की संख्या में पदाधिकारी, कार्यकर्ता और दलित, पिछड़े, अल्पसंख्यक सहित सर्व समाज के लोगों ने लखनऊ पहुंचकर अपनी ताकत का अहसास कराया।

लवकुश पटेल ने कहा कि जिस एकजुटता से लोग लखनऊ पहुंचे और पूर्व मुख्यमंत्री सुश्री मायावती को सुना उससे तय है कि पार्टी आगामी विधानसभा के चुनाव में निर्णायक जीत हासिल कर सरकार बनायेगी। कहा कि लोगों में इतना उत्साह था कि लोग बस, ट्रेन और निजी साधनों से पहुंचे और रेकार्ड बनाया। लवकुश पटेल ने कहा कि अपनी प्रगतिशील सोच से कांशीराम ने समाज को नई दिशा दी। उनकी मंशा के अनुसार बहुजन समाज को संगठित होने की जरूरत है। यदि हम संगठित होकर अपने हक और अधिकार की लड़ाई नहीं लड़े और तानाशाह भाजपा सरकार को सत्ता से बेदखल नहीं किया तो न हमारे हक– अधिकार बचेंगे न संविधान और लोकतंत्र। कहा कि यह संघर्ष अनवरत जारी रहेगा।

घरेलू गैस के लिये हेल्प लाइन जारी करे प्रशासन–महेन्द्र श्रीवास्तव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कांग्रेस आरटीआई विभाग के प्रदेश उपाध्यक्ष और पूर्वान्चल प्रभारी महेन्द्र श्रीवास्तव ने देश में ऊर्जा संकट पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि घरेलू गैस संकट के लिये कांग्रेस नहीं केन्द्र सरकार की नीतियां जिम्मेदार है। अभी तक सरकार ने स्पष्ट नहीं किया कि अमेरिका, इजराइल और ईरान युद्ध में भारत किसके साथ है। कहा कि बस्ती में भी प्रशासन द्वारा दावा किया जा रहा है कि जनपद में घरेलू गैस का कोई संकट नहीं है किन्तु लोग लम्बी कतारों में गैस के लिये इंतजार करने को मजबूर है। उन्होने कहा कि जिलाधिकारी और जिलापूर्ति अधिकारी को आंकड़ो के साथ जनता का विश्वास जीतना होगा और उपभोक्ताओं के लिये हेल्प लाइन जारी किया जाय।

कांग्रेस नेता महेन्द्र श्रीवास्तव ने कहा कि कार्मशियल गैस न मिलने के कारण ठेला, चाट, फुलकी लगाने वाली अनेक दुकानें बंद है। घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की कीमत में 60 रुपये और व्यावसायिक सिलेंडरों की कीमत में 115 रुपये की वृद्धि करके सरकार ने देश की जनता पर बोझ लादने के साथ ही मंहगाई को और बढा दिया है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि पहले तो सरकार ने कहा कि अमेरिका, इजराइल, ईरान युद्ध का भारत पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा, ईंधन का पर्याप्त भण्डार मौजूद है, बाद में जनता की मजबूरी समझे बिना घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की कीमत में 60 रुपये करके मुश्किलें बढा दी। कहा कि मोदी सरकार ने महंगाई घटाने का वायदा किया था किन्तु भाजपा की सरकार में गरीबों का जीना मुश्किल हो गया है। सरकार को जबाब देना ही होगा। जनता इसका आने वाले चुनावों में हिसाब लेगी।

भारतीय जहाज में तेल भरते वक्त हमला

नई दिल्ली (आभा)। अमेरिका– इजराइल और ईरान जंग के 16 वें युद्ध का कहर जारी है। इस वजह से जहाजों को खाड़ी देशों से ऑयल लाने में दिक्कत हो रही है। भारत के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के मुताबिक शनिवार को यूएई के 'फुजैराह ऑयल टर्मिनल' पर हमला हुआ था। इस दौरान भारतीय झंडे वाला जहाज 'जग लाड़की' वहां तेल भर रहा था। जहाज पर मौजूद सभी भारतीय स्टॉफ सुरक्षित हैं। जहाज ने लगभग 80,800 मीट्रिक टन क्रूड ऑयल लोड किया और अब सुरक्षित रूप से भारत की ओर रवाना हो गया है। वहीं, ईरान ने रविवार को इजराइल पर बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मिसाइल के टुकड़े गिरने से उस इमारत को नुकसान पहुंचा है, जहां अमेरिकी डिप्लोमेट काम करते हैं। हालांकि यह नहीं बताया गया कि यह इमारत किस शहर में है। इजराइल में अमेरिका का दूतावास यरुशलम में है और तेल अवीव में भी उसका एक बड़ा दफ्तर है।

चित्रांश क्लब महिला विंग के शपथ ग्रहण समारोह में सामाजिक कार्यों को गति देने पर जोर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रविवार को चित्रांश क्लब महिला विंग का शपथ ग्रहण समारोह जिलाध्यक्ष संजू श्रीवास्तव के संयोजन में प्रेस क्लब सभागार में सम्पन्न हुआ। समाजसेवी राना दिनेश प्रताप सिंह ने 2026 के पदाधिकारियों को शपथ दिलाया। उन्होने मानस सेवा को सर्वोच्च बताते हुये जाति धर्म से ऊपर उठकर सामाजिक सरोकारों को मजबूत करने पर जोर दिया।

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष संजू श्रीवास्तव, संयोजक लक्ष्मी अरोरा, महामंत्री संज्ञा श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष रागिनी गुप्ता, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सविता श्रीवास्तव, सुमन, उपाध्यक्ष प्रिया गुप्ता, संगठन मंत्री गुंजन गुप्ता, सूचना मंत्री सीमा गुप्ता को शपथ ग्रहण कराया गया। मुख्य अतिथि राना दिनेश प्रताप सिंह ने कहा सामाजिक संस्थाओं में चित्रांश क्लब की अपनी एक विशिष्ट पहचान है। उन्होने यह भी कहा कि समाजसेवा का क्षेत्र बहुत व्यापक है। चित्रांश क्लब को समाजसेवा का दायरा बढ़ाना होगा। जनपद को चित्रांश क्लब से काफी उम्मीदें हैं।

उन्होने कहा क्लब पदाधिकारियों को नये सत्र की शुरुआत में ही पूरे वर्ष के क्रियाकलापों की रूपरेखा तय कर लेनी चाहिये और समय समय पर उन पर कार्यक्रमों का आयोजन करना चाहिये। उन्होने नये पदाधिकारियों को उनके दायित्वों से अवगत कराया। चित्रांश क्लब महिला विंग की संस्थापिका रेखा चित्रगुप्त, संरक्षिका संध्या दीक्षित, प्रतिमा श्रीवास्तव, ममता श्रीवास्तव ने क्लब के क्रियाकलापों पर विस्तार से प्रकाश डाला। कहा कि समाजसेवा का क्षेत्र बेहद चुनौतीपूर्ण है। एक सामाजिक कार्यकर्ता को परिवार से लेकर समाज तक सभी से सामंजस्य बनाकर लक्ष्य के लिये आगे बढना होता है।

शपथग्रहण समारोह को राजमाता आसिमा सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष नेहा वर्मा, अंकुर वर्मा, डा. अर्चना, पूजा पाण्डेय, मयंक श्रीवास्तव, परमेश्वर शुक्ल पप्पू, अशोक श्रीवास्तव, शेषनरायन गुप्ता, प्रकाश मोहन श्रीवास्तव, अजय कुमार श्रीवास्तव, आदर्श कुमार श्रीवास्तव आदि ने क्लब के प्रयासों की सराहना करते हुये कहा कि क्लब ने अपने कार्यों से पहचान बनाया है। । कार्यक्रम का संचालन अर्चना श्रीवास्तव ने किया। संस्थापक राजेश चित्रगुप्त ने सभी के प्रति आभार जताया।

शपथ ग्रहण समारोह में मुख्य रूप से जी रहमान, अतुल चित्रगुप्त, उदयशंकर श्रीवास्तव, अजय गोपाल श्रीवास्तव, अनिल पाण्डेय, मो. इसमाइल, किरन पाण्डेय, अपराजिता सिन्हा, नम्रता श्रीवास्तव, प्रसून, रामानन्द नन्हें सर्वेश श्रीवास्तव, राजेश श्रीवास्तव, अनिल श्रीवास्तव, ओम प्रकाश श्रीवास्तव, सुधीर सिंह बब्बू सिंह, अष्टभुजा श्रीवास्तव, अंजू श्रीवास्तव, बीना श्रीवास्तव, मीनू श्रीवास्तव, दददुल श्रीवास्तव, नवीन श्रीवास्तव, दुर्गेश श्रीवास्तव, मुकेश श्रीवास्तव, राजेश कैटर्स, जितेन्द्र, प्रतिभा, रीना सिंह, प्रतीक्षा श्रीवास्तव, रूमी बाधवा, प्रीती बाला श्रीवास्तव, संध्या अग्रहरि, आदित्य श्रीवास्तव, दीपू श्रीवास्तव, अरूण श्रीवास्तव, आलोक श्रीवास्तव, प्रखर श्रीवास्तव, सन्तोष श्रीवास्तव, कविता गुप्ता, पूजा पाण्डेय, प्रज्ञा श्रीवास्तव, सरिता श्रीवास्तव, विन्दू चौधरी, अनूप कुमार चौधरी, राधा गुप्ता के साथ चित्रांश क्लब महिला विंग कार्यकारिणी के सदस्य और बड़ी संख्या में विभिन्न क्षेत्रों के सामाजिक कार्यकर्ता शामिल रहे।

–गिनाई उपलब्धियां, नये लक्ष्यों पर विचार

समाजवादियों ने पीडीए दिवस के रूप में जयन्ती पर कांशीराम को किया नमन्

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । रविवार को बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक कांशीराम को उनके 92 वीं जयंती पर समाजवादी पार्टी द्वारा याद किया गया। आफिसर्स क्लब के सभागार में सपा जिलाध्यक्ष और बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव के संयोजन में आयोजित कार्यक्रम में पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं ने बहुजन समाज पीडीए दिवस के रूप में कांशीराम जी को याद करते हुये उनके चित्र पर माल्यार्पण के साथ ही योगदान पर चर्चा किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद राम प्रसाद चौधरी ने कहा कि 15 मार्च 1934 को पंजाब के रूपनगर जिले में पैदा हुये कांशीराम ने राजनीति की ऐसी रेखा खींची, जो समय के साथ गहरी होती चली गई। उन्होंने खुलकर जाति की बात की, दलितों और पिछड़ों को साथ में एक मंच पर लाने का नया समीकरण ही नहीं बनाया बल्कि इसको यथार्थ में बदल दिया। उन्होने दलित समाज को प्रतिष्ठित करने के लिये जिस प्रकार से श्रम किया उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा। समाजवादी पार्टी पीडीए के द्वारा

–कांशीराम ने दलितों, पिछड़ों की आवज बनकर समाजवादी सोच को ताकत दिया –सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव ने कांशीराम को दिया था सांसद बनने का मौका

उनके संकल्पों को पूरा करने की दिशा में निरन्तर राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के मार्ग दर्शन में आगे बढ रही है।

पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय, विधायक महेन्द्रनाथ यादव, राजेन्द्र प्रसाद चौधरी, कविन्द्र चौधरी 'अतुल' ने कहा कि कांशीराम ने देश में सामाजिक समानता और वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए आजीवन संघर्ष किया। उन्होने पिछड़े, दलित और शोषित वर्गों को राजनीतिक रूप से जागरूक करने का ऐतिहासिक कार्य किया। उनके विचार आज भी सामाजिक न्याय की राजनीति के लिए प्रेरणा स्रोत बने हुए हैं।

कांशीराम को उनके 92 वीं जयंती पर याद करते हुये अंकुर गौतम, राजेश गौतम, पंकज निषाद, अनिल निषाद, हरीश गौतम, संजय गौतम, रजनीश यादव, आर.डी. निषाद, हरेश्याम विश्वकर्मा, राजेन्द्र चौरसिया, सीताराम चौरसिया, आर. डी. गोस्वामी, राजकपूर यादव, राजाराम यादव, जमील अहमद, जावेद पिण्डारी, मो. स्वालेह, प्रवीण पाठक, दयाशंकर मिश्र, बुद्धिसागर, गीता भारती, मंशाराम कन्नौजिया, श्रीपति सिंह, कौशलेन्द्र प्रताप सिंह, चन्द्र प्रकाश चौधरी, धीरसेन निषाद, किताबुल्लाह, अरविन्द सोनकर, आदि ने कहा कि समाजवादी विचारधारा हमेशा से सामाजिक न्याय और समानता की पक्षधर रही है। समाजवादी आंदोलन के प्रमुख नेता और पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव ने कांशीराम को इटावा से सांसद बनने का अवसर प्रदान किया था, जिसे उस समय सामाजिक न्याय की राजनीति में एक महत्वपूर्ण कदम माना गया था।कार्यक्रम में मुख्य रूप से राजू सिंह, अशोक सिंह, गंगाराम यादव, अजय यादव, रहमान सिद्दीकी, अखिलेश यादव, यूनुस आलम, भोला पाण्डेय, प्रशान्त यादव, देवेन्द्र श्रीवास्तव, हनुमान चौधरी, रन बहादुर यादव, मो. सलीम, राजेन्द्र चौधरी, श्याम नरायन शुक्ल, वृजेश मिश्र, दीनानाथ चौरसिया, राम सिंह यादव, रिन्टू यादव, तूफनी यादव, जर्सी यादव, श्याम सुन्दर यादव, राजमोहन सिंह 'राजू' अरविन्द जायसवाल, योगेन्द्र सिंह यादव, अरूण मिश्र, गौरीशंकर दीपक आर्य के साथ ही हजारों की संख्या में सपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सांस्कृतिक कार्यक्रमो के बीच उत्साह से मनाया गया वार्षिकोत्सव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । अवध नगर डमरूआ स्थित इंदिरा पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल का वार्षिकोत्सव उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित अभिभावकों और अतिथियों का मन मोह लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रबंधक अवधेश सिंह एवं प्रधानाचार्य इंदु सिंह ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया। सरस्वती वंदना अर्पित, लघिमा, रिया, खुशी, महिमा, शालू, और अन्विका ने प्रस्तुत किया। प्रतिभा, मुस्कान, अशिका और तनु ने स्वागत गीत प्रस्तुत कर अतिथियों का अभिनंदन किया। नर्सरी के नन्हे–मुन्ने बच्चों ने 'मुझे माफ करना ओम साईं राम' गीत पर अपनी मनमोहक प्रस्तुती दी, जिसे देखकर अभिभावक भावुक हो उठे। वहीं यूकेजी के बच्चों ने भी आकर्षक नृत्य और गीतों के माध्यम से सभी का दिल जीत लिया।

वार्षिकोत्सव के दौरान छात्रों ने नाटक, देशभक्ति गीत, समूह नृत्य, योगा प्रदर्शन, कवि सम्मेलन, फनी डांस, पंजाबी गीत, कृष्ण भक्ति गीत तथा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुति दी। बच्चों की प्रतिभा और आत्मविश्वास को देखकर उपस्थित लोगों ने तालियों की गडगड़ाहट से उनका उत्साहवर्धन किया।

–बेहतर शिक्षा इंदिरा पब्लिक हायर सेकेण्डरी स्कूल का संकल्प– अवधेश सिंह

विद्यालय के प्रबंधक अवधेश सिंह ने कहा कि विद्यालय में हर वर्ष वार्षिक उत्सव का आयोजन बच्चों की प्रतिभा को मंच देने के उद्देश्य से किया जाता है। ऐसे कार्यक्रमों से बच्चों के अंदर छिपी हुई कला और आत्मविश्वास सामने आता है। उन्होंने कहा कि विद्यालय का प्रयास है कि हर बच्चे को अच्छी शिक्षा के साथ–साथ सांस्कृतिक और नैतिक शिक्षा भी मिले।

उन्होंने बताया कि विद्यालय में एलकेजी से इंटर तक मात्र 1000 के प्रवेश शुल्क में कोई भी अभिभावक अपने बच्चों का दाखिला 31 मार्च तक करा सकता है। विद्यालय का उद्देश्य है कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चे भी अच्छी शिक्षा से वंचित न रहें और उन्हें बेहतर भविष्य बनाने का अवसर मिले। उन्होंने यह भी बताया कि विद्यालय सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए हर वर्ष पांच ऐसी बालिकाओं को निशुल्क शिक्षा प्रदान करता है, जिनके माता या पिता में से किसी एक का निधन हो चुका होता है। विद्यालय प्रबंधन का मानना है कि ऐसे बच्चों को शिक्षा से जोड़ना समाज के प्रति एक महत्वपूर्ण दायित्व है।

उन्होंने बताया कि विद्यालय पिछले 32 वर्षों से लगातार शिक्षा के क्षेत्र में सेवा देते हुए कम खर्च में बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराने का प्रयास कर रहा है, ताकि अधिक से अधिक बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके।

प्रधानाचार्य इंदु सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि विद्यालय का लक्ष्य विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करना है। पढ़ाई के साथ–साथ खेलकूद और सांस्कृतिक गतिविधियां भी बच्चों के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने बच्चों को अनुशासन और मेहनत के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक राहुल सिंह, लवकुश यादव, बब्बू नंदन, अभिषेक यादव, सोनम चौधरी, सुनीता पाण्डेय, किरन यादव, सिया, प्रियांशी और दिलीप गुप्ता सहित बड़ी संख्या में अभिभावक ए

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 16 मार्च 2026 सोमवार

सम्पादकीय

युद्ध के संकट और जमाखोरी

सरकार ने अभी तेल के दाम में किसी तरह की बढ़ोत्तरी से इनकार किया है। आम उपभोक्ताओं के लिए यह राहत की बात है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ती कीमतों का असर लोगों पर दूसरे रूप में पड़ेगा। और फिर पश्चिम एशिया का संकट केवल तेल व गैस तक सीमित नहीं है। अरब देशों के साथ व्यापार के लिए होर्मुज सबसे अहम रूट है। खाड़ी में बड़ी संख्या में भारतीय काम करते हैं, जिनसे विदेशी मुद्रा मिलती है। युद्ध की वजह से अगर रेमिटेंस घटता है तो वह भी भारतीय मुद्रा के लिए अच्छी खबर नहीं होगी। रुपया गुरुवार डॉलर के मुकाबले 92.35 का रेकॉर्ड निचला स्तर छूकर आखिर में मामूली रूप से सुधरा। ईरान युद्ध की वजह से क्रूड ऑयल की कीमत के फिर से 100 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचने की वजह से रुपये पर दबाव बढ़ा है। भारत अपनी जरूरत का करीब 80: क्रूड आयात करता है। इसकी कीमत बढ़ने पर उसके चालू खाता घाटा बढ़ने की आशंका होती है, जिससे मुद्रा की वैल्यू गिरती है।

इस पर तनिक भी आश्चर्य नहीं कि अमेरिका—इजरायल और ईरान के बीच युद्ध के चलते ऊर्जा आपूर्ति का संकट उभरते ही देश में रसोई गैस की जमाखोरी और कालाबाजारी शुरू हो गई। यद्यपि सरकार ने इसे रोकने के लिए आवश्यक वस्तु अधिनियम लागू कर दिया, पर लगता नहीं कि इससे जमाखोरों और मुनाफाखोरों के दुस्साहस में कोई कमी आई है। इसका प्रमाण यह है कि उनके खिलाफ छापेमारी के दौरान कई शहरों में रसोई गैस सिलिंडरों की जमाखोरी और कालाबाजारी करने वाले पकड़े गए।

कई ने दर्जनों रसोई गैस सिलिंडर चोरी—छिपे जमा कर रखे थे। इनमें कुछ नेता और अन्य प्रभावशाली लोग भी हैं। इसी तरह उन मुनाफाखोरों की गिनती करना भी कठिन है, जो महंगे दामों पर रसोई गैस सिलिंडर बेच रहे थे। ऐसे तत्वों की सक्रियता का एक कारण संबंधित अधिकारियों और पुलिस की मिलीभगत भी होती है। वे भी बहती गंगा में हाथ धोने लगते हैं और इस तरह आम जनता एवं सरकार का संकट बढ़ाते हैं।

अपने देश में किसी भी संकट के समय आवश्यक वस्तुओं की जमाखोरी और कालाबाजारी बहुत आम है। कोविड महामारी के समय जब सारा देश संकट में था, तब भी कुछ दवाओं के साथ कई आवश्यक वस्तुओं की कालाबाजारी देखने को मिली थी। यह भी किसी से छिपा नहीं कि अपने यहां कभी प्याज, कभी उर्वरकों तो कभी किसी अन्य वस्तु की जमाखोरी होने लगती है। इसका मकसद मुनाफाखोरी करना ही होता है।

ऐसा लगता है कि कुछ लोग सदैव इसकी ताक में रहते हैं कि कब किसी वस्तु के उत्पादन अथवा उसकी आपूर्ति में कमी के आसार दिखें तो वे खुद को जमाखोर में तब्दील कर मुनाफाखोरी करें। आपदा को अपना धंधा बनाने वाले ऐसे लोग सभ्य समाज के शत्रु ही कहे जाएंगे। चूंकि नैतिकता और सदाचार की कमी के चलते जमाखोरी और कालाबाजारी एक सामाजिक बुराई का रूप ले चुकी है, इसलिए आवश्यक केवल यह नहीं कि रसोई गैस सिलिंडरों की जमाखोरी और कालाबाजारी कर रहे लोगों के खिलाफ सघन अभियान चलाया जाए, बल्कि यह भी है कि उन्हें कठोर दंड का भागीदार बनाया जाए। आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत जमाखोरी और कालाबाजारी करने वालों पर जुर्माना लगाने के साथ उन्हें तीन महीने से लेकर सात वर्ष तक की सजा देने का प्रविधान है, लेकिन आखिर कितने ऐसे मुनाफाखोर हैं, जिन्हें सात वर्ष की सजा मिलती है? अधिकतर तो येन—केन—प्रकारेण बिना किसी दंड के छूट जाते हैं या फिर मामूली जुर्माना देकर बच निकलते हैं।

उचित यह होगा कि ऐसे लोगों को ऐसी कठोर सजा दी जाए, जो नजीर बने। गंभीर मामलों में जमाखोरों के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत कार्रवाई करने के साथ ही उनकी संपत्ति भी जब्त की जानी चाहिए। इससे ही मुनाफाखोरों के होश ठिकाने आएंगे और वे जमाखोरी से बाज आएंगे।

सवालों के घेरे में नीतीश कुमार की विदाई

—उमेश चतुर्वेदी—

दो दशकों से बिहार की सत्ता की धुरी रहे नीतीश कुमार की विदाई को लेकर सियासी गलियारों में जितनी हैरत जताई जा रही है, सवाल भी उतने ही उठ रहे हैं। बीस साल से कुछ ज्यादा वक्त से लगातार बिहार की सत्ता में बने रहे नीतीश का सियासी स्वभाव ही सवालों और आश्चर्य की वजह बना है। नीतीश ने जब से सत्ता संभाली है, उन्होंने कभी ऐसा जाहिर नहीं किया कि वे सत्ता से दूर हो सकते हैं। बीच में जीतन राम मांझी को नौ महीने के लिए सत्ता सौंपकर संन्यासी और बीतरागी जैसा दिखने की कोशिश उन्होंने जरूर की, लेकिन वह सिर्फ दिखावा था। सत्ता का असल सूत्र उनके ही हाथ था। जब लगा कि मांझी उस सूत्र को काट कर स्वाधीन पहचान बनाने की कोशिश कर रहे हैं, उस धागे को काट सत्ता खुद थाम ली थी। नीतीश सत्ता को इतनी आसानी से छोड़ देंगे, इस पर आसानी से भरोसा ना करने की वजह उनका अतीत रहा है। कभी जिन विवाद तो कभी किसी दूसरी वजह से उन्होंने अपनी पुरानी सहयोगी बीजेपी को छोड़ उस लालू का हाथ दो—दो बार थाम लिया, जिनके विरोध की बुनियाद पर ही उनकी राजनीति परवान चढ़ी। फिर जब उन्हें लगा कि लालू का साथ उनकी सियासी नैया को डुबो देगा तो फिर बीजेपी की ओर लौटने में भी उन्होंने देर नहीं लगाई। यह सियासी आवाजाही हर हाल में सत्ता पर पकड़ बनाए रखने की उनकी चाहत का ही प्रतीक लगती है। इसी वजह से उनकी विदाई को सहजता से स्वीकार करना कठिन हो रहा है।

राजनीति का एक चरित्र है। अपने कदमों को लिए वह जिन कारणों को गिनाती है, हकीकत में वे कारण होते ही नहीं। नीतीश ने भी कहा है कि वे चाहते थे कि संसद के दोनों सदनों और विधानमंडल के दोनों सदनों के सदस्य बनें। विधानमंडल और लोकसभा के वे सदस्य रह लिए हैं, लेकिन राज्य सभा के वे सदस्य कभी रहे नहीं। इसलिए वे बिहार की राजनीति छोड़ राज्यसभा का सदस्य बनने जा रहे हैं। हो सकता है कि नीतीश की यह चाहत रही हो, लेकिन उनके बिहार को छोड़ने के पीछे का यह सच अधूरा है। विगत दो साल में नीतीश कुमार की जुबान कई बार फिसली है। उनकी हरकतें भी कई बार हास्यास्पद रही हैं। नीतीश की छवि ऐसे गंभीर शख्सियत की रही है, जो नाप—तोलकर बोलता है। इसी छवि ने गाहे—बगाहे फिसलती रही जुबान और उल—जलूल हरकतों के बावजूद उनके प्रति लोगों का सम्मान कम नहीं होने दिया है। इसी छवि के चलते विगत के बिहार चुनाव में एनडीए को भारी जीत भी मिली। लेकिन इसके साथ ही यह भी मान लिया गया कि इन चुनावों के बाद नीतीश की विदाई भी हो सकती है। यह कहना मुश्किल है कि बीजेपी और जनता दल यू ने तय किया हो कि चुनाव बाद नीतीश हट जाएंगे या हटा दिए जाएंगे। लेकिन जिस तरह से नीतीश ने खुद को बिहार से दूर किया है, उससे लगता है कि दोनों दलों के शीर्ष नेतृत्व के बीच ऐसी समझ विकसित हो चुकी थी। चूंकि इसकी भनक बाहर नहीं लग पाई थी, इसलिए यह बदलाव लोगों को आसानी से पच नहीं रहा।

नीतीश ने जिस जनता दल यू को सींचा—खड़ा किया है, उसका भी चरित्र कुछ—कुछ कांग्रेस की तरह हो गया है। जिस तरह नेहरू—गांधी परिवार कांग्रेस को एक रखने का चुंबक है, नीतीश ही जनता दल यू के लिए उसी तरह के चुंबक हैं। बेशक राजीव रंजन सिंह उर्फ लल्लन, संजय झा, विजय चौधरी और अशोक चौधरी, नीतीश के बेहद करीब हैं। लेकिन इन चारों की समूचे जनता दल यू में स्वीकार्यता नहीं है। जदयू को एक नीतीश रख सकते हैं या उनके बेटे निशांत। जदयू को एक रखने के लिए निशांत का राजनीति में आना जरूरी है। राजनीति में उनके प्रवेश की अटकलें करीब दो वर्षों से लगाई जा रही हैं। नीतीश की छवि परिवारवाद विरोधी नेता की भी है। बिहार की राजनीति के केंद्र में उन्हें लाने के पीछे लालू के परिवारवाद पर उनका तीखा हमला भी रहा है। ऐसे में नीतीश के बाद सीधे निशांत की ताजपोशी उनकी छवि को नुकसान पहुंचा सकती थी, लिहाजा निशांत को उत्तराधिकार सौंपने के लिए ऐसी राह चुनी गई है, जिससे नीतीश को कम से कम नुकसान हो। इसलिए वे दिल्ली में राज्यसभा की शोभा बढ़ाने जा रहे हैं, जबकि नीतीश बिहार की सत्ता में नंबर दो की पोजिशन संभालने जा रहे हैं। इस कदम से निशांत को सीधे बिहार की सत्ता मिल भी नहीं रही और जदयू पर पकड़ के लिए मजबूत रस्सी भी थमाई जा रही है।

बिहार इन दिनों आर्थिक संकट से गुजर रहा है। जीविका दीदियों के खाते में अब तक 18 हजार एक सौ करोड़ दिए जा चुके हैं। दो साल में करीब दो लाख कर्मचारियों की भर्ती के बाद राज्य का वेतन खर्च 70 हजार करोड़ से ज्यादा हो चुका है। पेंशन खर्च पैंतीस हजार करोड़ हो चुका है। राज्य का बजट तीन लाख 67 हजार करोड़ का है। इसमें से पैंसठ फीसद खर्च प्रतिबद्ध खर्च है यानी विकास और योजना पर। राज्य की आर्थिक स्थिति की गड़बड़ी के चलते लालू राज के बाद पहली बार वित्त विभाग को आदेश देना पड़ा है कि कर्मचारियों के वेतन खर्च के अलावा कोई भुगतान ना किया जाए। नीतीश को यह कठिनाई पता है। माना जा रहा है कि बीजेपी को सत्ता सौंपने के पीछे उनका मकसद यह भी माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में राज्य के इस आर्थिक संकट को सत्ता के केंद्र में होने के चलते उसे भुगतना पड़ेगा। हो सकता है कि अपने लोगों के हाथ सत्ता होने के चलते बिहार को मोदी सरकार की ओर से केंद्रीय मदद मिल जाए।

1967 में आठ राज्यों में बनी संविद सरकारों में बीजेपी की पूर्ववर्ती पार्टी जनसंघ ने समाजवादी दलों का साथ दिया था। मध्य प्रदेश, राजस्थान और हिमाचल को छोड़ दें तो हर राज्य में समाजवादी दलों की वह सहयोगी रही। समाजवाद के साथ शुरू बीजेपी की यात्रा में धीरे—धीरे समाजवादी दलों का जनाधार छीजता चला गया। इस तरह उनका अस्तित्व ही खत्म हो गया। बीजेपी की इस वर्चस्ववादी यात्रा की राह में नीतीश का जनता दल यू और नवीन पटनायक का बीजू जनता दल रोड़ा रहा है। उड़ीसा के पिछले चुनाव में बीजेपी पटनायक को पटखनी दे चुकी है और अब नीतीश कुमार ने खुद ही कुर्सी खाली कर दी है। इस लिहाज से कह सकते हैं कि बिहार में बीजेपी का अगुआ बनने का सपना पूरा होने जा रहा है।

नीतीश अब बिहार की सत्ता का अतीत हैं। उनकी उपलब्धियां भी कम नहीं हैं। पहले दो कार्यकाल तक यानी 2015 तक उन्होंने बिहार को आगे बढ़ाने के लिए लगातार काम किया है। नीतीश की एक और उपलब्धि यह है कि लगातार बीजेपी का साथ होने के बावजूद उन्होंने अपनी सरकार का समाजवादी स्वरूप बचाए रखा। सुशासन और सरकार के समाजवादी स्वरूप के चलते नीतीश की राष्ट्रव्यापी छवि बनी। नीतीश की छवि तो बनी, लेकिन उन्होंने बिहार से बाहर अपना संगठन खड़ा नहीं किया। एक बार अरुणाचल में जदयू के 11 विधायक चुने गए, लेकिन उन्हें सहेजने में नीतीश की दिलचस्पी नहीं रही। इससे दुखी विधायक एक—एक कर पार्टी छोड़ गए। 2023 में इसी छवि के चलते उन्होंने इंडिया गठबंधन बनाने की कोशिश की, लेकिन कांग्रेस का अहं उनकी राह में आड़े आ गया। अगर कांग्रेस ने अपने नेतृत्व को आगे रखने की चाहत का बलिदान किया होता और नीतीश को संयोजक बना दिया होता, शायद इतिहास अलग होता।

इच्छा मृत्यु और मानवीय गरिमा का प्रश्न

—ललित गर्ग—

भारतीय समाज में यह गहरी धारणा रही है कि परिवार के किसी सदस्य की सेवा तब तक की जाए, जब तक उसके प्राण स्वाभाविक रूप से समाप्त न हो जाएं। जीवन की रक्षा और उसकी देखभाल को एक नैतिक कर्तव्य के रूप में देखा जाता रहा है। यही कारण है कि भारतीय परिवारों में रोगी की सेवा केवल चिकित्सा का विषय नहीं होती, बल्कि भावनात्मक, धार्मिक और सांस्कृतिक आस्था से भी जुड़ी होती है। कई बार यह भी देखा गया है कि प्रियजन की मृत्यु के बाद भी उसे लंबे समय तक जीवन लौटने की आशा में संभालकर रखा जाता रहा है। लेकिन जब कोई व्यक्ति ऐसी स्थिति में पहुंच जाए, जहां से सामान्य जीवन में लौटने की कोई संभावना न हो और उसका अस्तित्व केवल कृत्रिम जीवन रक्षक प्रणालियों पर निर्भर रह जाए, तब यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या केवल जैविक अस्तित्व को बनाए रखना ही जीवन की रक्षा है? या फिर जीवन की गरिमा को ध्यान में रखते हुए व्यक्ति को पीड़ा से मुक्ति देने का अधिकार भी स्वीकार किया जाना चाहिए?

इसी जटिल और संवेदनशील प्रश्न के केंद्र में 11 मार्च 2026 को भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिया गया वह निर्णय है, जिसमें गाजियाबाद के 31 वर्षीय हरीश राणा को निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति दी गई। लगभग तेरह वर्षों से कोमा में जीवन बिताने वाले इस युवक के मामले में अदालत का यह निर्णय केवल एक कानूनी आदेश भर नहीं है, बल्कि जीवन, मृत्यु और मानवीय गरिमा के बीच संतुलन खोजने का एक गंभीर एवं संवेदनशील प्रयास भी है। दरअसल, हरीश राणा का मामला हमें यह सोचने के लिए बाध्य करता है कि इच्छामृत्यु का प्रश्न केवल कानून का विषय नहीं है, बल्कि एक गहरी मानवीय कहानी भी है। यह एक ऐसे युवा की कहानी है, जिसका जीवन एक दुर्घटना के बाद अचानक बदल गया और जो तेरह वर्षों तक एक मौन जीवन—मृत्यु संघर्ष में जीता रहा। उस संघर्ष में शब्द नहीं थे, संवाद नहीं था, केवल एक स्थिर और असहाय जैविक अस्तित्व था। ऐसे में परिवार, चिकित्सकों और समाज के सामने यह कठिन दुविधा खड़ी हो जाती है कि जीवन को किस सीमा तक कृत्रिम रूप से बनाए रखा जाए।

इस निर्णय का सबसे महत्वपूर्ण आधार भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 है, जो प्रत्येक व्यक्ति को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार प्रदान करता है। समय के साथ न्यायपालिका ने इस अनुच्छेद की व्याख्या को व्यापक बनाते हुए यह स्पष्ट किया कि जीवन का अधिकार केवल सांस लेने या जीवित रहने का अधिकार नहीं है, बल्कि गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार भी है। इसी संवैधानिक दृष्टिकोण ने आगे चलकर यह प्रश्न उठाया कि यदि व्यक्ति को गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार है, तो क्या उसे गरिमापूर्ण मृत्यु का अधिकार भी नहीं होना चाहिए? भारत में इच्छामृत्यु से जुड़ा न्यायिक विमर्श धीरे—धीरे विकसित हुआ है। वर्ष 2011 में अरुणा शानबाग मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने पहली बार निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति दी थी। यह मामला एक ऐसी नर्स का था, जो दशकों तक कोमा की स्थिति में रही। उस निर्णय ने इस विषय पर व्यापक राष्ट्रीय बहस को जन्म दिया। इसके बाद वर्ष 2018 में कॉमन कॉज बनाम भारत संघ के ऐतिहासिक फैसले में अदालत ने निष्क्रिय इच्छामृत्यु को संवैधानिक मान्यता देते हुए 'लिविंग विल' की अवधारणा को स्वीकार किया। इसके अनुसार कोई व्यक्ति अपने जीवनकाल में ही यह लिखित रूप में व्यक्त कर सकता है कि यदि वह असाध्य स्थिति में पहुंच जाए तो उसे कृत्रिम जीवन रक्षक प्रणालियों पर निर्भर न रखा जाए।

हरीश राणा के मामले में चिकित्सा विशेषज्ञों के बोर्ड ने यह स्पष्ट किया कि निरंतर उपचार का कोई चिकित्सीय उद्देश्य शेष नहीं रह गया था। चिकित्सा केवल जैविक अस्तित्व को लंबा खींचने का माध्यम बन गई थी। ऐसे में अदालत की स्वीकृति इस कठिन सत्य को स्वीकार करती है कि जीवन की गरिमा केवल जीने में ही नहीं, बल्कि मृत्यु में भी बनी रहनी चाहिए। फिर भी इच्छामृत्यु का प्रश्न अत्यंत जटिल और विवादास्पद रहा है। दुनिया के अनेक देशों में इस विषय पर गंभीर नैतिक और कानूनी बहस चलती रही है। कई देशों ने इसे सीमित परिस्थितियों में कानूनी मान्यता दी है, जबकि कई अन्य देशों में इसके दुरुपयोग की आशंका के कारण इसे स्वीकार नहीं किया गया है। भारत में भी यह विषय संवेदनशील बना हुआ है, क्योंकि यहां पारिवारिक संबंधों, धार्मिक मान्यताओं और सामाजिक भावनाओं की भूमिका अत्यंत गहरी है।

इसी संदर्भ में जैन धर्म में प्रचलित संथारा या सल्लेखना की परंपरा भी कई बार चर्चा में आती रही है। जैन दर्शन में इसे मृत्यु का महोत्सव कहा गया है। संथारा का अर्थ है—जीवन के अंतिम चरण में धीरे—धीरे आहार और शरीर की आसक्तियों का त्याग करते हुए शांति एवं समाधिपूर्वक मृत्यु को स्वीकार करना। जैन आचार विचार में इसे आत्मसंयम और आध्यात्मिक साधना का सर्वोच्च रूप माना गया है। संथारा और आधुनिक इच्छामृत्यु के बीच अंतर भी है और समानताएं भी। संथारा का आधार आध्यात्मिक साधना और वैराग्य है, जबकि आधुनिक इच्छामृत्यु का आधार चिकित्सा विज्ञान और मानवीय पीड़ा से मुक्ति का विचार है। फिर भी दोनों के केंद्र में एक समान भाव दिखाई देता है—जीवन की अंतिम अवस्था में गरिमा और स्वतंत्रता का सम्मान। हालांकि इस परंपरा को लेकर भी न्यायालयों में बहस होती रही है कि क्या इसे धार्मिक स्वतंत्रता माना जाए या आत्महत्या के रूप में देखा जाए। इस बहस ने यह स्पष्ट किया है कि जीवन और मृत्यु से जुड़े प्रश्न केवल कानूनी तर्कों से हल नहीं होते, बल्कि उनमें नैतिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक आयाम भी शामिल होते हैं। प्रसिद्ध गांधीवादी चिंतक विनोबा भावे ने इस परंपरा की विशेष सराहना की थी। उन्होंने कई अवसरों पर यह इच्छा भी व्यक्त की थी कि यदि संभव हो तो वे भी जीवन के अंतिम क्षणों में इसी प्रकार की शांत, संयमित और जागरूक मृत्यु प्राप्त करना चाहेंगे। इसीलिए हरीश राणा का मामला हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि संविधान की सबसे बड़ी शक्ति उसकी संवेदनशील व्याख्या में निहित है। जब न्यायपालिका जीवन के अधिकार की व्याख्या करते हुए मानवीय गरिमा और करुणा को केंद्र में रखती है, तब वह केवल कानून का पालन नहीं करती, बल्कि समाज को एक अधिक संवेदनशील और मानवीय दिशा भी प्रदान करती है। यह भी सच है कि भारत में इच्छामृत्यु को लेकर अभी तक कोई समग्र और स्पष्ट कानून नहीं है।

चैत्र नवरात्र : आस्था—आधुनिकता से नई ऊर्जा

—दिव्य ज्योति नन्दन—

वर्तमान तेज रफ्तार और डिजिटल जीवनशैली से घिरे युवाओं के लिए चैत्र नवरात्रि पर्व प्रकृति की नवचेतना और नई ऊर्जा का स्रोत बन जाता है। नौ दिनों का यह पर्व पूजा—पाठ या व्रत—उपवास के लिए ही नहीं बल्कि मानसिक संतुलन, स्वास्थ्य और सांस्कृतिक जुड़ाव के साथ—साथ आध्यात्मिक उन्नति का अवसर है। ये जीवन के चार महत्वपूर्ण आयामों— धर्म, संस्कृति, स्वास्थ्य और आधुनिक जीवनशैली का संतुलित संदेश लेकर आते हैं।

चैत्र नवरात्रि एक पर्व भर नहीं बल्कि आत्मशुद्धि, अनुशासन, नई ऊर्जा, आस्था, आध्यात्मिकता, आधुनिकता व संतुलित जीवनशैली का समग्र पैकेज है। यह ऐसे समय पर आते हैं, जब वसंत ऋतु के आगमन के साथ प्रकृति नई अंगड़ाइयां ले रही होती है। ऐसे में आज की तेज रफ्तार और डिजिटल जीवनशैली से घिरे युवाओं के लिए यह पर्व प्रकृति की नवचेतना और युवा जीवन की नई ऊर्जा का स्रोत बन जाता है। यह पर्व पूजा—पाठ या व्रत—उपवास के लिए ही नहीं बल्कि उनके मानसिक संतुलन, शारीरिक स्वास्थ्य और सांस्कृतिक जुड़ाव के साथ—साथ आध्यात्मिक उन्नति का सबसे बड़ा आधार है। ये नवरात्रि युवाओं के जीवन के चार महत्वपूर्ण आयामों— धर्म, संस्कृति, स्वास्थ्य और आधुनिक जीवनशैली का संतुलित संदेश लेकर आते हैं।

चैत्र नवरात्रि का मूल आधार शक्ति की उपासना है। इस महापर्व पर मां दुर्गा के नौ अलग—अलग रूपों की पूजा की जाती है। इस प्रतीक के जरिये इंसान अपने अंदर की छिपी नौ विशेष शक्तियों को जागृत करता है। क्योंकि आज का युवा आध्यात्मिकता को केवल पारंपरिक पूजा तक सीमित नहीं रखता, वह इसे मेडिटेशन, योगा, माइंडफुलनेस और मानसिक संतुलन के रूप में भी अपनाता है। ये नौ दिन इस दृष्टि से आत्मनिरीक्षण का समय बन सकते हैं। बहुत से युवा हाल के कुछ सालों में इन दिनों सोशल मीडिया से दूरी बना लेते हैं और डिजिटल डिटॉक्स कर पाने में सफल रहते हैं। यह भी एक किस्म का ध्यान और योग के अभ्यास जैसा ही है। इससे मानसिक तनाव कम होता है और जीवन में बेहतर समझ व स्पष्टता बढ़ती है। मनोवैज्ञानिक भी मानते हैं कि नियमित ध्यान और प्रार्थना से सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास बढ़ता है। इस प्रकार नवरात्रि युवाओं के लिए एक तरह से स्प्रिचुअल रिचार्ज का समय है।

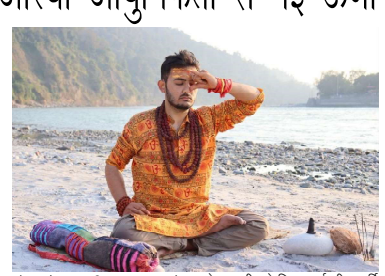

चैत्र नवरात्रि भारत के विभिन्न क्षेत्रों में अलग—अलग सांस्कृतिक रूपों में मनाया जाता है। उत्तर भारत में यह रामनवमी तक चलते हैं। महाराष्ट्र में इसी समय गुड़ी पाड़वा मनाया जाता है। पूर्वी भारत में शक्ति पूजा की विशेष परंपरा है। जबकि दक्षिण भारत में यह उगादी के रूप में पारंपरिक कृषि पर्व तथा उत्तर पश्चिमी भारत में यह चेतीचंड और नवरेह के रूप में मनाया जाता है, जो कि अलग—अलग संस्कृतियों का आपस में सम्मिलन का आधार होता है। वास्तव में यह देश के हर क्षेत्र से युवाओं के लिए अपनी जड़ों से जुड़ने का अवसर होता है। इन दिनों कॉलेज और सामाजिक समूहों में दुर्गा स्तुति, भजन संध्या और अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भरमार रहती है। लोकसंगीत और लोकनृत्य भी इस दौरान आयोजित होते हैं। इन सभी आयोजनों के माध्यम से युवा अपनी निजी परंपरा व देश की बहुसांस्कृतिक विरासत से भी मजबूती से जुड़ते हैं।

चैत्र नवरात्रि के सबसे महत्वपूर्ण पहलुओं में से एक इसका स्वास्थ्य से जुड़ा होना है। दरअसल नवरात्रि में जो उपवास रखा जाता है, उसका धर्म से ज्यादा हमारे स्वास्थ्य से रिश्ता होता है। दरअसल वसंत ऋतु में जब ये नवरात्रि आते हैं, तब मौसम बदलता है और शरीर को नई परिस्थितियों के अनुसार ढालने के लिए हल्के सात्विक और संतुलित भोजन की दरकार रहती है। आज के युवा स्वास्थ्य के प्रति ज्यादा कांशेस हैं। इसलिए ये नवरात्रि को डिटॉक्स डाइट के रूप में भी देखते हैं। इस दौरान व्रत के खानपान हमारे स्वास्थ्य के लिए रामबाण साबित होते हैं। जैसे— साबूदाना, कुट्टू, सिंघाड़ा, फल, दूध, सूखे मेवे और दही, ये सब न केवल शरीर के लिए ऊर्जा की आपूर्ति करते हैं बल्कि पाचन के हिसाब से सबसे उपयुक्त होते हैं। इसमें प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और मिनिरल्स की भरपूर मौजूदगी होती है। चौत्र नवरात्र के व्रत शरीर को डिटॉक्स तो करते ही हैं, ऊर्जा से भी परिपूर्ण कर देते हैं।

चैत्र नवरात्रि के समय पारंपरिक पहनावा फैशन में होता है जो सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा है। नवरात्रि के समय मॉडर्न युवा भी पारंपरिक और एथनिक पसंद करता है और लड़कियां भी लहंगा—चोली से लेकर साड़ी—सूट तक को प्राथमिकता देती हैं। इसलिए यह सदियों से चली आ रही पहनावे की संस्कृति का भरपूर फ्यूजन होता है। युवा इंडो—वेस्टर्न लुक के चमचमाते आकर्षण ढूंढ लेते हैं।

आज के युवाओं के जीवन में सोशल मीडिया का बहुत महत्वपूर्ण स्थान है। नवरात्रि के दौरान इंस्टाग्राम, फेसबुक, यू—ट्यूब आदि पर भक्ति संगीत, पूजा विधि, व्रत रेसिपी तथा कई तरह के एथनिक फैशन से जुड़े कंटेंट की भरमार होती है। इसलिए इन दिनों युवाओं का देश के सामाजिक सद्भाव और संस्कृति से भी सरोकार बढ़ता है। नवरात्रि आध्यात्मिक जीवन और जीवन प्रबंधन के अनुशासन का भी विशिष्ट हिस्सा बनकर सामने आता है। जिस तरह से इन दिनों व्यक्तिगत पूजा—पाठ और साधना के साथ—साथ सामाजिक उपकार के जो कार्य सम्पन्न होते हैं जैसे— जरूरतमंदों को भोजन वितरण, स्वच्छता अभियान और पौधरोपण उसे खास तरह की सामूहिकता और विशिष्ट मानवीय चेतना का भी विस्तार होता है। इस तरह ये नौ दिन किसी पर्व से ज्यादा समग्र जीवनशैली के वर्कशॉप की तरह उभरकर सामने आते हैं। चैत्र नवरात्रि में सात्विक डाइट से शरीर को ऊर्जा और शुद्धता मिलती है। इसलिए ताजे फल, सूखे मेवे और दूध का सेवन स्वास्थ्य के लिए लाभदायक रहता है।

विपक्ष के पीडीए की राजनीति समाजवाद नहीं जातिवाद -जयंत चौधरी

संवाददाता—देवरिया।

रालोद के राष्ट्रीय अध्यक्ष और भारत सरकार के केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने कहा कि सपा का पीडीए क्या है इसका मतलब ही नहीं समझ में आता। वे एक परिभाषा पर टिके नहीं उनकी पूरी राजनीति समाजवाद की जगह जातिवाद की होकर रह गई है। उन्होंने कहा कि किसान यदि जातियों में बंटा तो उन्हें कोई पूछने वाला नहीं होगा। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. चौधरी चरण सिंह जातिवाद का खात्मा चाहते थे और कुरीतियों से ग्रामीण समाज को उबारना चाहते थे। ये बातें उन्होंने रविवार को शहर के चीनी मिल ग्राउंड पर आयोजित राष्ट्रीय लोक दल की जनसभा को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए कहीं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि चौधरी चरण सिंह का कहना था कि देश तभी तरक्की करेगा जब किसान तरक्की करेगा। उन्होंने अपने कार्यकाल में जमींदारी प्रथा खत्म की, किसानों के हितों के रक्षा की बात की, ग्रामीण विकास मंत्रालय की स्थापना की। ठीक उसी प्रकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कौशल विकास व उद्यमिता का अलग मंत्रालय बनाकर देश के युवाओं को अधिक से अधिक उद्यमिता के पथ पर ले जाने की और अग्रसर है।उन्होंने कहा कि एनडीए की सरकार गांवों में निवेश कैसे हो इस पर व्यापक रूप से कम कर रही है और इसका परिवर्तन भी दिख रहा है। राष्ट्रीय लोक दल चौधरी चरण सिंह व स्व. चौधरी अजीत सिंह की नीतियों पर चलकर पार्टी को आगे बढ़ाने का काम रहा है। उन्होंने कहा कि जब तक गांवों का विकास नहीं होगा तब तक भारत आत्मनिर्भर नहीं होगा। कौशल विकास के माध्यम से युवाओं को रोजगार देने के लिए समूह बनाया जाएगा। इसके लिए भारत सरकार में 60 हजार करोड़ रुपए का इंतजाम किया है।जयंत चौधरी ने नई दिल्ली में हुए एआई सम्मेलन के दौरान विपक्ष के कृत्यों की कड़ी शब्दों में भर्त्सना की। उन्होंने कहा कि यह विरोध जंतर मंतर पर भी जताया जा सकता था। उन्होंने कहा कि चुनाव में हमने चार सौ पार का नारा दिया था। आज उत्तर प्रदेश के किसानों को भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार चार सौ पार गन्ने की कीमत दे रही है।सभा में मौजूद प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार ने कहा कि स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह व स्व. चौधरी अजीत सिंह ने सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ने का काम किया। राष्ट्रीय लोक दल एनडीए का मजबूत घटक दल है और सरकार के साथ मजबूती के साथ खड़ा है। उन्होंने 2027 के चुनाव में एनडीए की झोली में सभी सीटें डालने का संकल्प लेने के लिए कार्यकर्ताओं का आह्वान किया।कार्यक्रम की अध्यक्षता रालोद के प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय व संचालन विपिन श्रीवास्तव ने किया। जिलाध्यक्ष रमाशंकर चौहान ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। सभा को सदर सांसद शशांक मणि त्रिपाठी, पूर्व विधायक डॉ. सत्य प्रकाशमणि त्रिपाठी, राष्ट्रीय लोक दल के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री त्रिलोक त्यागी सहित अन्य प्रमुख नेताओं ने भी संबोधित किया।

रोटरी क्लब की ओर से जिला अस्पताल गेट पर स्थापित हुई एलईडी घड़ी

संवाददाता—महराजगंज।

जिला संयुक्त चिकित्सालय के गेट पर रोटरी क्लब महराजगंज की ओर से एलईडी घड़ी लगवाई गई। इसका उद्घाटन सीएमएस डॉ. एके द्विवेदी ने किया।

डॉ. द्विवेदी ने कहा कि रोटरी क्लब निरंतर सामाजिक कार्य में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। रोटरी क्लब द्वारा लगाए गए इस रिमोट चालित एलईडी घड़ी से सेवाओं के बारे में लोगों को जरूरी जानकारी दी जा सकेगी। इसके अलावा समय और दिनांक भी समय–समय पर इस घड़ी द्वारा दर्शाया जा रहा है। रोटरी क्लब के चार्टर्ड प्रेसिडेंट विंध्यवासिनी सिंह ने कहा कि इस डिजिटल घड़ी से लोगों में न सिर्फ जिला अस्पताल के कार्यप्रणाली की जानकारी एवं जागरूकता आएगी,अपितु अस्पताल और नगर के सुंदरीकरण में भी वृद्धि होगी।जिला अस्पताल के अहमियत को देखते हुए रोटरी क्लब ने जिला संयुक्त चिकित्सालय में दो व्हीलचेयर,दो स्ट्रेचर,कोविद सैंपल कलेक्शन केबिन,बेबी फीडिंग केबिन और आज जिला संयुक्त चिकित्सालय के गेट पर एलईडी घड़ी लगाने का कार्य किया हैं स अध्यक्ष दिग्विजय सिंह ने कहा कि रोटरी क्लब जनपद में निरंतर सामाजिक कार्य चल रहा है और भविष्य में भी सामाजिक कार्यों को करता रहेगा। आगामी अध्यक्ष डॉक्टर एबी त्रिपाठी ने कहा कि रोटरी क्लब आगे भी सामाजिक कार्यों की कड़ी को जारी रखेगा। आगामी अध्यक्ष हमीदुल्लाह खान, पूर्व सचिव देवेश पांडे, डॉक्टर साजिद अहरारी, अजय अग्रहरि, रोटेरियन सैफुल्लाह खान सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

मुठभेड़ में एक अपराधी गोली लगने से घायल, दूसरा भी गिरफ्तार

संवाददाता—श्रावस्ती।

हरदत्त नगर गिरंट के भजोरेपुरवा गांव में 15 फरवरी की रात हुई लूट व हत्या का पुलिस ने खुलासा कर दिया। शनिवार रात लूट व हत्या में शामिल आरोपियों से हुई पुलिस मुठभेड़ में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इस दौरान पैर में गोली लगने से एक आरोपी घायल हो गया जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। हरदत्त नगर गिरंट पुलिस को शनिवार रात मुखबिर से सूचना मिली कि भजोरेपुरवा गांव में बीते दिनों हुई लूट व हत्या में शामिल दो आरोपी क्षेत्र के भेसरी नहर पुल से होते हुए नेपाल जाने वाले हैं। सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक महिमानाथ उपाध्याय ने पुलिस, एसओजी व सर्विलांस टीम के साथ मुखबिर के बताए स्थान पर पहुंचकर नाकेबंदी की।

इस दौरान सामने से आते दिखे दो संदिग्धों को पुलिस ने रुकने का इशारा किया। इस पर एक आरोपी ने पुलिस टीम पर असलहे से फायर कर दिया। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई जो एक आरोपी के पैर में लगी और वह घायल होकर गिर गया। इसके बाद पुलिस ने घेराबंदी कर मौके से दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। जिनकी पहचान गन्नू लोनिया उर्फ राजू पुत्र राजितराम निवासी लोनियनपुरवा कोतवाली भिनगा जनपद श्रावस्ती व ओम प्रकाश वर्मा पुत्र मथुरा प्रसाद निवासी लखनऊवा कोठार थाना रिसिया जनपद बहराइच के रूप में हुई। इसमें घायल गन्नू को पुलिस ने अस्पताल में भर्ती कराया। इस दौरान टीम ने आरोपियों के कब्जे से एक तमंचा, कारतूस के साथ ही लूट के एक जोड़ी चांदी का पायल, दो जोड़ी चांदी की बिछिया व 1100 रुपये बरामद कर जब्त कर लिया। 15 फरवरी की रात गिरंट थाना क्षेत्र के भजोरेपुरवा गांव निवासी नेमराज पाठक के घर दोनों आरोपियों ने अपने अन्य साथियों के साथ वारदात को अंजाम दिया था। जिसमें गृहस्वामी नेमराज पाठक की चाकू मारकर हत्या कर दी थी। साथ ही जेवर, नकदी व अन्य सामान लूट कर निकल गए थे। पुलिस के अनुसार पूंछताछ में दोनों आरोपियों ने बताया कि उन्होंने पहले रेकी की तो पता चला कि घर में सोना गड़ा हुआ है। इसके बाद वारदात की रात वह अन्य साथियों जिसमें गिलौला के नयाभदौरा निवासी दौलत अली पुत्र संसूर भी शामिल के साथ नेमराज पाठक के घर पहुंचे। बरामदे में सोए नेमराज पाठक को बंधक बनाया और सोने के बारे में पूंछने पर जब उन्होंने नहीं बताया तो उसके साथी ने चाकू मार दिया और गृहस्वामी की मौत हो गई। असलहा व कारतूस दौलत अली दे दिया था। अन्य साथी फरार हो गए और वह दोनों भी नेपाल जा रहे थे। पुलिस ने प्रकाश में आए दौलत अली के साथ ही अन्य आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

सीने में दर्द के बाद महंत अवधेश कुमार दास को कराया गया भर्ती, स्वास्थ्य में है अब सुधार

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। श्री बड़ा भक्तमाल मंदिर के पीठाधीश्वर महंत अवधेश दास की रविवार को अचानक तबीयत बिगड़ने से अयोध्या के संत समाज और श्रद्धालुओं में चिंता फैल गई। जानकारी के अनुसार उन्हें सीने में दर्द और सांस लेने में परेशानी की शिकायत हुई। इसके बाद उन्हें तत्काल अयोध्या धाम स्थित श्री राम हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। अस्पताल में डॉक्टरों की टीम ने उनका विस्तृत परीक्षण किया। जांच के दौरान फेफड़ों में पानी भरने की समस्या सामने आई। चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए उन्हें लखनऊ रेफर कर दिया। इसके बाद महंत अवधेश दास को लखनऊ के मैक्स हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जहां विशेषज्ञ चिकित्सकों की देखरेख में उनका इलाज चल रहा है।अस्पताल सूत्रों के मुताबिक समय पर उपचार मिलने से उनकी तबीयत में काफी सुधार हुआ है। फिलहाल डॉक्टर उनकी स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। श्री राम हॉस्पिटल के अधिकारी यश प्रकाश सिंह ने बताया कि महंत अवधेश दास को सीने में दर्द और फेफड़ों में पानी की शिकायत के कारण अस्पताल लाया गया था। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए लखनऊ भेजा गया।महंत अवधेश दास के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ के लिए अयोध्या सहित विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालु प्रार्थना कर रहे हैं। मंदिर से जुड़े संत–महंत और भक्त भी उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि श्री बड़ा भक्तमाल मंदिर से योगी आदित्यनाथ का भी विशेष लगाव है। अयोध्या प्रवास के दौरान वे यहां के संतों से मुलाकात करने अवश्य पहुंचते हैं। जगतगुरु अर्जुन द्वारा आचार्य कृपालु राम भूषण दास जी महाराज और जगतगुरु रामानुजाचार्य स्वामी राघवाचार्य जी महाराज अस्पताल पहुंचकर श्री महाराज जी के तबीयत के बारे में जानकारी ली और श्री महाराज जी से मुलाकात भी की

गैस की किल्लत के बीच 76 सिलेंडर चोरी से हड़कंप, गोदाम का ताला तोड़ उड़ाए

संवाददाता—महराजगंज।

ईंधन गैस की किल्लत और मारामारी के बीच चोरों ने एक गोदाम का ताला तोड़कर 76 गैस सिलेंडर चोरी कर लिए। चौक थाना क्षेत्र के ग्राम मिश्रौलिया स्थित मितौरा इंडेन गैस सेवा के गोदाम में शुक्रवार की रात चोरों ने वारदात को अंजाम दिया। गैस एजेंसी संचालक ने चौक थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

मितौरा इंडेन गैस सेवा का गैस गोदाम मिश्रौलिया गांव के उत्तर तरफ स्थित है। गोदाम इंचार्ज नागेन्द्र यादव ने शनिवार को एजेंसी संचालक को सूचना दी कि शुक्रवार की रात चोरों ने गोदाम का ताला तोड़ दिया और 76 सिलेंडर उठा ले गए। इनमें से 12 भरे हुए, जबकि 64 खाली थे। एजेंसी संचालक ने चौक थाने में लिखित शिकायत देकर चोरों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। सूचना पर सीओ निचलौल बसंत सिंह और थानाध्यक्ष ओमप्रकाश गुप्ता ने गोदाम का निरीक्षण किया। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

डीएम ने सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों पर प्रसारित भ्रामक संदेशों व वीडियो पर नजर रखने व अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि एलपीजी सिलिंडर की डिलीवरी ओटीपी आधारित प्रणाली से की जा रही है। उपभोक्ता ऑनलाइन बुकिंग कर होम डिलीवरी के माध्यम से सिलिंडर प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही लोगों से अनावश्यक भंडारण और एजेंसियों पर भीड़ न लगाने की अपील की गई है। प्रशासन ने जिले में पेट्रोल और डीजल की पर्याप्त उपलब्धता भी बताई है।

महराजगंज जिले में घरेलू एलपीजी गैस की सुचारु आपूर्ति सुनिश्चित करने और कालाबाजारी पर रोक लगाने के लिए जिला प्रशासन ने कंट्रोल रूम स्थापित किया है। आमजन अपनी शिकायत कंट्रोल रूम के मोबाइल नंबर 8423675896 पर दर्ज करा सकते हैं। इसके अलावा गैस कालाबाजारी व अवैध भंडारण रोकने के लिए डीएम ने प्रवर्तन दल का भी गठन कर दिया है। डीएम संतोष कुमार शर्मा के निर्देश पर स्थापित कंट्रोल रूम के नोडल अधिकारी एडीएम न्यायिक नवनीत गोयल बनाए गए हैं। वहीं एसडीएम विजय यादव प्रतिदिन सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक कंट्रोल रूम का पर्यवेक्षण करेंगे। एडीएम न्यायिक के मोबाइल नंबर 9412155781 व एसडीएम विजय यादव के मोबाइल नंबर 9358772891 पर भी शिकायत की जा सकती है।

डीएम ने चारों तहसीलों के एसडीएम व सीओ को भ्रमणशील रहकर एलपीजी गैस की कालाबाजारी व अवैध भंडारण पर कड़ी निगरानी रखने का निर्देश दिया है।

यूपी पुलिस भर्ती आयोग अध्यक्ष का पुतला फूंका

संवाददाता—गोण्डा।

उत्तर प्रदेश पुलिस एसआई भर्ती परीक्षा में पूछे गए एक विवादित प्रश्न को लेकर पूरे प्रदेश में विरोध प्रदर्शन जारी है। इसी क्रम में रविवार को गोंडा जिले में राष्ट्रीय छात्र पंचायत के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती आयोग के अध्यक्ष आईपीएस एस.बी. शिरडकर का पुतला दहन किया। यह प्रदर्शन गोंडा के लाल बहादुर शास्त्री चौराहे पर किया गया। कार्यकर्ताओं ने विवादित प्रश्न पर अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए भर्ती आयोग के अध्यक्ष के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। उन्होंने आरोप लगाया कि यह प्रश्न देश के गौरवशाली इतिहास की जड़ों पर प्रहार है। राष्ट्रीय छात्र पंचायत के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवम पांडेय ने इस घटना को ष्केवल एक प्रश्न नहीं, बल्कि देश के एक गौरवशाली समाज की जड़ों पर प्रहारष बताया। उन्होंने चयन बोर्ड से सवाल किया कि क्या उनकी कलम इतनी कुंठित हो गई है कि उन्हें परीक्षा के सवालों में ब्राह्मणवाद दिखने लगा है, जबकि ब्राह्मण समाज ने देश को मंगल पांडे और चंद्रशेखर आजाद जैसे क्रांतिकारी दिए हैं।

झाड़–फूंक के विवाद में मारपीट, घंटों चली पंचायत के बाद हुआ समझौता

संवाददाता—महराजगंज।

परतावल कस्बे में रविवार को झाड़–फूंक को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। कहासुनी बढ़ने पर मामला मारपीट तक पहुंच गया, जिससे मौके पर अफरा–तफरी मच गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों पक्षों को चौकी ले जाकर पूछताछ की। बाद में स्थानीय लोगों की मौजूदगी में घंटों चली पंचायत के बाद दोनों पक्षों में समझौता हो गया। गोरखपुर जिले के पिपराइच थाना क्षेत्र के एक व्यक्ति ने आरोप लगाया कि वह अपने परिवार की समस्याओं के समाधान के लिए वर्ष 1998 से कुशीनगर जिले के कप्तानगंज क्षेत्र के एक सोखा के पास जाता रहा। पीड़ित का कहना है कि झाड़–फूंक और इलाज के नाम पर उससे वर्षों में करीब लाखों रुपये तक लिए गए।

कुछ समय पहले सोखा की मौत हो गई, जिसके बाद उसके भतीजे ने भी उसी प्रकार से झाड़–फूंक के नाम पर परेशान करना शुरू कर दिया। रविवार को इसी मामले को लेकर दोनों पक्षों में पिपराइच रोड पर कहासुनी और मारपीट हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दोनों ओर से मारपीट होने लगी। आसपास के लोगों ने बीच–बचाव कर किसी तरह मामला शांत कराया और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस दोनों पक्षों को चौकी ले आई, जहां उनसे पूछताछ की गई। इसके बाद दोनों पक्षों के लोगों की मौजूदगी में पंचायत बैठाई गई, जिसमें दोनों पक्षों ने अपनी–अपनी बात रखी। काफी देर तक चली बातचीत के बाद दोनों पक्षों ने आपसी सहमति से विवाद समाप्त करने का निर्णय लिया।उपनिरीक्षक अखिलेश यादव ने बताया कि मामला अंधविश्वास और झाड़–फूंक से जुड़ा था। दोनों पक्ष किसी प्रकार की कानूनी कार्रवाई नहीं चाहते थे। इसलिए आपसी सहमति से समझौता कराया गया। पुलिस ने दोनों पक्षों को भविष्य में इस तरह का विवाद न करने की हिदायत देकर छोड़ दिया।

स्थगन आदेश के बावजूद निर्माण पर संतों का विरोध, हनुमानगढ़ी पट्टी की भूमि को लेकर विवाद

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। रामनगरी में भूमि विवाद को लेकर एक बार फिर संत समाज और नगर निगम आमने–सामने दिखाई दिए। हनुमानगढ़ी पंचांग पट्टी हरिद्वार की भूमि पर जल निगम द्वारा पानी की टंकी तथा एक भवन के निर्माण को लेकर संतों ने कड़ा विरोध जताया है। संतों का आरोप है कि न्यायालय के स्थगन आदेश के बावजूद बिना किसी पूर्व सूचना के निर्माण कराया जा रहा है, जो न्यायालय की अवमानना की श्रेणी में आता है।हनुमानगढ़ी पंचांग पट्टी श्री हरिद्वार के महंत मुरली दास जी महाराज ने कहा कि संबंधित भूमि पट्टी की संपत्ति है। पूर्व में अयोध्या की सेवा के उद्देश्य से इसे नगर पालिका को किराए पर दिया गया था, किंतु किराया भी नियमित रूप से नहीं दिया जाता रहा। इस संबंध में न्यायालय में वाद दायर किया गया है, जिस पर वर्तमान में स्थगन आदेश प्रभावी है। इसके बावजूद नगर निगम एवं जल निगम द्वारा बिना किसी पूर्व अनुमति और सूचना के पानी की टंकी तथा एक छोटे भवन का निर्माण कराया जा रहा है।महंत मुरली दास जी महाराज ने बताया कि हनुमानगढ़ी में पंचायती व्यवस्था लागू है और पट्टी की संपत्ति से संबंधित निर्णय पट्टी के महंतों एवं संतों की बैठक में लिया जाता है। यदि पट्टी स्तर पर निर्णय नहीं हो पाता, तो अखाड़े की बैठक में संत–महंत सामूहिक रूप से निर्णय लेते हैं। उन्होंने कहा कि जब मामला न्यायालय में विचाराधीन है, तब इस कार का निर्माण कार्य विधि सम्मत नहीं कहा जा सकता।

उन्होंने बताया कि इस संबंध में अयोध्या के मेयर से वार्ता की गई है। मेयर ने आश्वस्त किया है कि संबंधित अधिकारी शीघ्र ही मौके पर आकर संतों से वार्ता करेंगे। हलवान राजेश दास जी महाराज ने कहा कि यह भूमि पट्टी की संपत्ति है और इसके संबंध में अंतिम निर्णय पट्टी के संतों द्वारा ही लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि स्थगन आदेश के बावजूद निर्माण कराया जाना संत समाज को स्वीकार्य नहीं है। इसी कारण संतों ने महंत मुरली दास जी महाराज के नेतृत्व में मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य को रुकवा दिया।उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि जब तक संबंधित अधिकारियों के साथ वार्ता कर समाधान नहीं निकलता, तब तक किसी प्रकार का निर्माण कार्य नहीं होने दिया जाएगा। यदि इसके बावजूद निर्माण का प्रयास किया गया तो संत समाज वहीं बैठकर श्री सीताराम नाम संकीर्तन करते हुए आंदोलन करेगा।फिलहाल इस मामले को लेकर प्रशासनिक हलकों में भी हलचल है और संत समाज की अगली रणनीति पर सबकी नजरें टिकी हुई हैं।

निषाद राज जयंती की तैयारी तेज, श्यामलाल निषाद फिर बने अध्यक्ष

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। महाराजा निषाद राज जयंती समारोह को भव्य रूप देने की तैयारियां शुरू हो गई हैं। प्रेस क्लब में निषाद समाज की एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें आगामी 5 अप्रैल को मनाए जाने वाले 14वें महाराजा निषाद राज जयंती समारोह को लेकर रूपरेखा तैयार की गई। बैठक की अध्यक्षता अरुण निषाद पहलवान ने की।बैठक में जयंती समारोह को ऐतिहासिक बनाने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों और व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई। इस दौरान समाज के लोगों ने सर्वसम्मति से श्यामलाल निषाद को आगामी दो वर्षों के लिए पुनः अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपने का निर्णय लिया। पुनः निर्वाचित होने पर उपस्थित लोगों ने उन्हें फूल–मालाएं पहनाकर और शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया तथा उनके नेतृत्व में संगठन को और सशक्त बनाने का भरोसा जताया।

इस अवसर पर महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष के रूप में मंजू निषाद और महानगर अध्यक्ष के रूप में किरण निषाद को जिम्मेदारी दिए जाने की घोषणा भी की गई।अध्यक्ष पद पर दोबारा चुने जाने के बाद श्यामलाल निषाद ने समाज के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज ने उन पर जो विश्वास जताया है, उस पर खरा उतरने का वह पूरा प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि समाज के सम्मान और अधिकारों की रक्षा के लिए वह हमेशा सक्रिय रहेंगे।उन्होंने बताया कि 5 अप्रैल को महाराजा निषाद राज जयंती समारोह पूरे उत्साह के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर शहर में भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, जो विभिन्न मार्गों से होते हुए सिविल लाइन स्थित बड़े डाकखाने पर पहुंचकर संपन्न होगी।

बैठक की अध्यक्षता कर रहे अरुण निषाद पहलवान ने कहा कि निषाद समाज की एकजुटता और नेतृत्व में भागीदारी को मजबूत करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि जयंती समारोह को सफल बनाने के लिए तैयारियां तेज कर दी गई हैं और कार्यक्रम को अंतिम रूप देने के लिए आगे भी बैठकें होती रहेंगी।बैठक में डॉ. नानक शरण, दुर्गेश निषाद, मनीराम निषाद, गंगाराम निषाद, रामबहोर निषाद, प्रदीप निषाद,भगवानदीन निषाद, श्याम बिहारी निषाद, जल्दू निषाद, पवन निषाद, कुश निषाद, अरविंद निषाद, मुकेश प्रधान, रामचंद्र प्रधान, हरिप्रसाद निषाद, मंसाराम प्रधान, रामकृष्ण प्रधान, आसाराम निषाद, मोतीराम निषाद, निषाद पार्टी के जिलाध्यक्ष आसाराम, राजकुमार निषाद, राजा बाबू, लाला निषाद, गुरु प्रसाद, जीतू निषाद, सीटू निषाद सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग और पदाधिकारी मौजूद रहे।

सपा एवं कांग्रेस ने मनाई कांशीराम जयंती, नेताओं ने दी श्रद्धांजलि, विचारों पर की चर्चा

संवाददाता—देवरिया।

समाजवादी पार्टी (सपा) ने रविवार को बहुजन आंदोलन के प्रणेता कांशीराम की जयंती पहली बार मनाई। शहर के नंद पैलेस में आयोजित इस कार्यक्रम में सपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने कांशीराम के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता सपा जिलाध्यक्ष व्यास यादव ने की, जबकि संचालन जिला महासचिव मंजूर हसन ने किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बाबा साहब वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मिठाई लाल भारती ने कांशीराम को पिछड़ों, दलितों और अल्पसंख्यकों की मुखर आवाज बताया। उन्होंने कहा कि दलित चेतना जगाने में कांशीराम का योगदान असाधारण था। भारती ने बताया कि सामंतवादी व्यवस्था के खिलाफ आवाज उठाना चुनौतीपूर्ण होने के बावजूद उन्होंने निर्भीक होकर वंचित समाज के अधिकारों की लड़ाई लड़ी। मिठाई लाल भारती ने यह भी बताया कि कांशीराम के संघर्ष के दौरान समाजवादी नेता मुलायम सिंह यादव ने उनका पूरा साथ दिया था। मुलायम सिंह यादव के प्रयासों के परिणामस्वरूप ही कांशीराम इटावा से सांसद चुने गए थे। सपा जिलाध्यक्ष व्यास यादव ने अपने संबोधन में कहा कि कांशीराम के विचार आज भी समाज को दिशा प्रदान करते हैं। उन्होंने सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव के पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) परिवार को मजबूत करने के संकल्प का उल्लेख किया।

व्यास यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी इसी मार्ग पर चलते हुए शोषित और वंचित वर्ग के अधिकारों के लिए संघर्ष कर रही है। व्यास यादव ने जोर दिया कि मान्यवर कांशीराम के सपनों का भारत बनाने के लिए वर्ष 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाना आवश्यक है। इस अवसर पर पूर्व सांसद कनकलता सिंह, पूर्व विधायक स्वामीनाथ यादव, अनुग्रह नारायण सिंह, खोखा सिंह, सुभाषचंद्र श्रीवास्तव, दिनानाथ कुशवाहा, पूर्व एमएलसी जेपी जायसवाल, धर्मेंद्र सोलंकी, पिंटू सिंह सैथवार, गेनालाल यादव, विजय प्रताप यादव, परवेज आलम, अशोक कुशवाहा, हृदयनारायण जायसवाल, बेचूलाल चौधरी, प्रज्ञानंद चौधरी, मोहन गुप्ता, अंबिका यादव, श्याम बहादुर भारती, मुन्ना यादव, पंकज मौर्य, सुनील यादव, गोपी यादव, अशोक यादव, अजीत शर्मा और प्रभा भारती सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में लोकगीत और फरी नृत्य कलाकारों ने भी अपनी प्रस्तुति दी।

जिला कांग्रेस कमेटी ने टाउन हॉल स्थित पार्टी कार्यालय में बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक कांशीराम की जयंती मनाई। जिलाध्यक्ष विजय शेखर मल्ल 'रोशन' के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष विजय शेखर मल्ल 'रोशन' ने कांशीराम के योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि मान्यवर कांशीराम ने गरीबों, दलितों और वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए जीवन भर संघर्ष किया। उनके विचार आज भी समाज के लिए प्रेरणादायक हैं। मल्ल ने बताया कि कांशीराम का मानना था कि संविधान ही दलितों, पिछड़ों और वंचितों की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने आगे कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के संविधान की शपथ लेकर सत्ता में बैठे लोग ही आज उसे कमजोर करने का प्रयास कर रहे हैं। कांशीराम का यह संदेश था कि जब तक सत्ता में भागीदारी नहीं होगी, तब तक सामाजिक न्याय संभव नहीं है। जिलाध्यक्ष ने दोहराया कि कांग्रेस पार्टी बहुजन समाज की भागीदारी, सम्मान और संविधान की रक्षा के लिए पहले भी प्रतिबद्ध थी और आगे भी रहेगी।

सपा ने कांशीराम जयंती मनाईः सामाजिक न्याय में उनके योगदान को याद किया गया

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। समाजवादी पार्टी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर कांशीराम की जयंती धूमधाम से मनाई। इस अवसर पर पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए। जिला कार्यालय पर सपा जिलाध्यक्ष जंगबहादुर यादव की अध्यक्षता में कार्यक्रम हुआ। वहीं, अकबरपुर विधानसभा कार्यालय स्थित भानमती उत्सव वाटिका में पूर्व मंत्री राम अचल राजभर की अध्यक्षता में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आलापुर में विधायक त्रिभुवन दत्त की अध्यक्षता में भी कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। वक्ताओं ने अपने संबोधन में कांशीराम के जीवन, संघर्ष और सामाजिक न्याय में उनके योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कांशीराम ने देश में सामाजिक समानता और वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए आजीवन संघर्ष किया। उन्होंने पिछड़े, दलित और शोषित वर्गों को राजनीतिक रूप से जागरूक करने का ऐतिहासिक कार्य किया। उनके विचार आज भी सामाजिक न्याय की राजनीति के लिए प्रेरणा स्रोत बने हुए हैं। सपा जिलाध्यक्ष जंगबहादुर यादव ने बताया कि समाजवादी विचारधारा हमेशा से सामाजिक न्याय और समानता की पक्षधर रही है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि समाजवादी आंदोलन के प्रमुख नेता और पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव ने कांशीराम को इटावा से सांसद बनने का अवसर प्रदान किया था, जिसे उस समय सामाजिक न्याय की राजनीति में एक महत्वपूर्ण कदम माना गया था। कार्यक्रम के दौरान नेताओं ने कांशीराम के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर अमरेंद्र यादव लासू, सुभाष, विजयमान, समाजवादी छात्र सभा के राष्ट्रीय सचिव विश्वनाथ, संदीप यादव, प्रदीप यादव, मनोज सहित बड़ी संख्या में सपा के नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कांग्रेस कार्यालय में कांशीराम जयंती धूमधाम से मनी

संवाददाता–संतकबीरनगर। खलीलाबाद स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय में रविवार को बहुजन विचारक स्वर्गीय कांशीराम जी की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर उनके चित्र पर माल्यार्पण किया गया, जिसके बाद एक विचार गोष्ठी का आयोजन हुआ। विचार गोष्ठी को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष प्रवीण चंद पाण्डेय ने कहा कि कांशीराम जी ने अपना पूरा जीवन अति पिछड़ों, दलितों और शोषित समाज के उत्थान के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और बाबासाहब भीमराव अम्बेडकर के आदर्शों का पालन करते हुए दलितों की शिक्षा पर विशेष जोर दिया और सामाजिक भेदभाव को दूर करने के लिए लगातार संघर्ष किया। जिला उपाध्यक्ष सुनील कुमार पाण्डेय और महिला जिलाध्यक्ष शांति देवी ने अपने संबोधन में कहा कि कांशीराम जी ने जीवनभर सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आज भी कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांधी सामाजिक न्याय के लिए संघर्ष कर रहे हैं, जिसमें पार्टी का हर कार्यकर्ता उनके साथ खड़ा है। इस गोष्ठी में मुख्य रूप से शांति देवी, सुग्रीव पासवान, सुनील कुमार पाण्डेय, अजय सिंह, हीरालाल, श्यामलाल, अरुण पांडे, संजय चौरसिया, मुन्नीलाल, प्रद्युम्न कुमार, फूलचंद यादव, जमुना प्रसाद, राजीव गोंड, बिट्टू सिंह, जगशेद अख्तर और प्रेमनाथ मौर्या सहित कई लोग उपस्थित रहे।

मोबाइल पर लड़के से बात करने की सजा में बेटी को दी मौत, पिता ने हंसिया से काट डाला गला

संवाददाता–गोरखपुर। एक सनकी पिता ने अपनी बेटी को सजा ए मौत दे दी। बेटी का कसूर यह था कि वह मोबाइल पर अपने किसी लड़के से बात कर रही थी। पिता को इतना गुस्सा आया कि उसने हंसिया से 23 साल की बेटी का गला काट डाला। पिता ने बेटी पर ताबड़तोड़ कई वार किए। लहूलुहान बेटी को परिवारवाले इलाज के लिए लेकर पिपराइच के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पहुंचे। वहां से डॉक्टरों ने उसे मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान लड़की की मौत हो गई। यह दर्दनाक घटना गोरखपुर के पिपराइच थाना क्षेत्र के सिंहोरिया गांव में हुई। लड़की की हत्या के बाद घटना को छिपाने की कोशिश भी की गई। कहा गया कि लड़की हंसिया पर गिरकर घायल हो गई थी। पुलिस जांच में इस घटना की सच्चाई सामने आ गई। मामले का खुलासा हो गया। पुलिस को पता चला कि युवती हंसिया पर गिरकर घायल नहीं हुई थी, बल्कि उसके पिता ने ही हंसिया से वार कर उसकी हत्या कर दी थी। पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया है।

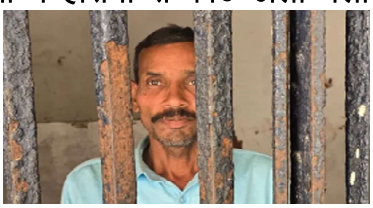

मिली जानकारी के अनुसार सिंहोरिया गांव निवासी कमलेश भारती की बेटी नेहा भारती (उम्र 23 वर्ष) शुक्रवार सुबह घर में मोबाइल पर किसी लड़के से बात कर रही थी। इसी बात को लेकर पिता कमलेश उससे नाराज थे। शुक्रवार को भी इस बात पर दोनों के बीच कहासुनी हुई। आरोप है कि गुस्से में पिता ने पहले उसे थप्पड़ मारा। इसके बाद घर में रखे हंसिया से नेहा पर कई वार कर दिए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजन उसे इलाज के लिए पहले सीएचसी पिपराइच और फिर बीआरडी मेडिकल कॉलेज ले गए, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद परिवार ने इसे हादसा बताने की कोशिश की। नेहा की मां मनोरमा ने पुलिस को तहरीर देकर कहा था कि बेटी घर में फिसलकर जमीन पर रखे हंसिया पर गिर गई, जिससे उसकी गर्दन कट गई। हालांकि पुलिस को मामला शुरू से ही संदिग्ध लगा। पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने पिता कमलेश और मां मनोरमा से कड़ाई से पूछताछ की। जांच में कई विरोधाभास सामने आए और जिस हंसिया से वार किया गया था उसे भी छिपाने की बात सामने आई। रविवार सुबह पुलिस ने साक्ष्य जुटाने के बाद आरोपी पिता कमलेश भारती को घर से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। इस मामले में ज्ञानेंद्र प्रसाद ने बताया कि साक्ष्यों के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और उससे पूछताछ की जा रही है।

कांशीराम का जन्मदिन पिपरौली में मनाया गया, उनके योगदान और विचारों को याद किया गया

संवाददाता–गोरखपुर। ग्राम पंचायत बडगहन में बहुजन समाज के प्रेरणास्रोत कांशीराम का जन्मदिन श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षेत्र पंचायत सदस्य संघ ब्लॉक अध्यक्ष रविकान्त उर्फ लालू ने की। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने मान्यवर कांशीराम के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। सभी ने उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कांशीराम के जीवन और उनके समाज के प्रति समर्पण पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कांशीराम ने अपना पूरा जीवन शोषित, वंचित और पिछड़े वर्गों के उत्थान तथा उनके अधिकारों के लिए समर्पित कर दिया था। उनके विचार आज भी समाज को एकजुट होकर समानता और सामाजिक न्याय के लिए संघर्ष करने की प्रेरणा देते हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रविकान्त उर्फ लालू ने कहा कि मान्यवर कांशीराम के आदर्श और संघर्ष हम सभी के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। उनके विचारों को जन–जन तक पहुंचाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस अवसर पर नवीन कुमार, आदर्श कुमार, चन्दन, राहुल, अंकुर, हर्ष कुमार, दुर्गेश, गौरव, शिवकुमार, सन्नी, शैलेश, अनीता गौतम, राजनन्दनी, रीना, अंजली, बबिता देवी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

लूट के इरादे से की थी महिला की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता–संतकबीरनगर। पुलिस ने तीन दिन पहले हुई महिला की हत्या का खुलासा करते हुए गांव के ही एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने खर्च के लिए पैसे जुटाने के इरादे से लूट की योजना बनाई थी। लेकिन पहचान लिए जाने पर महिला की गला दबाकर हत्या कर दी।

एसपी संदीप कुमार मीना ने बताया कि घटना 10 मार्च की रात खलीलाबाद कोतवाली क्षेत्र के हाड़ापार गांव में हुई थी। शारदा देवी (60) पत्नी स्वर्गीय रामललित यादव, समय माता मंदिर में चल रहे विष्णु महायज्ञ में कथा सुनकर घर लौट रही थीं।

इसी दौरान गांव के ही राहुल चौधरी ने सुनसान का फायदा उठाकर उन्हें पीछे से पकड़ लिया। उसने शारदा देवी का मुंह दबाकर उन्हें घसीटते हुए नहर के बंधे से नीचे खेत में गिरा दिया। महिला ने आरोपी को पहचान लिया और शोर मचाने की कोशिश की। जिसके बाद उसने गला दबाकर उनकी हत्या कर दी।

हत्या के बाद आरोपी महिला के गले, नाक और पैरों से गहने

निकालकर फरार हो गया। शारदा देवी का शव गुरुवार को गांव से कुछ दूरी पर दक्षिण नहर के किनारे सरसों के खेत में मिला था। शव के गले पर काले निशान थे। मुंह व नाक से खून निकला हुआ था। मृतका के छोटे बेटे बबुंदर यादव की तहरीर पर पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। रविवार को पुलिस ने सिरमोहनी चौराहा के पास से आरोपी राहुल चौधरी को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने उसके पास से पीले धातु की एक जोड़ी कान की बाली, सफेद धातु के पायल के चार टुकड़े और एक मोबाइल फोन बरामद किया है।

पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह पहले ट्रक पर खलासी का काम करता था, लेकिन काम छोड़ने के बाद पैसों की तंगी से जूझ रहा था। इसी वजह से उसने लूट की योजना बनाई थी। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

भारतीय बौद्ध महासभा ने कांशीराम जयंती मनाई

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। भारतीय बौद्ध महासभा ने इटवा कस्बे से सटे पिपरा मुर्गिहवा में बहुजन नायक मान्यवर कांशीराम की जयंती मनाई। इस अवसर पर आगामी 14 अप्रैल को इटवा में बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाने पर भी चर्चा की गई। रविवार को आयोजित इस कार्यक्रम में वक्ताओं ने मान्यवर कांशीराम के जीवन और उनके योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस दौरान संगठन का विस्तार भी किया गया। रेखा बौद्ध को तहसील उपाध्यक्ष, जबकि प्रिंस गौतम और दीपक गौतम को तहसील सचिव मनोनीत किया गया। यह नियुक्तियां मिशन को गति देने और संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से की गईं। मुख्य अतिथि जिला उपाध्यक्ष डॉ. जेपी बौद्ध ने कहा कि मान्यवर कांशीराम ने बहुजनों में सामाजिक और राजनीतिक चेतना का संचार किया। उनके विचारों को आगे बढ़ाना आवश्यक है। चुनाव पर्यवेक्षक और जिला उपाध्यक्ष (संरक्षण विभाग) जयकिशोर ने बताया कि इस वर्ष बाबा साहब की जयंती समारोह ऐतिहासिक होगा। उन्होंने सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से आज से ही तैयारियों में जुटने और गांव–गांव जाकर प्रचार–प्रसार करने का आह्वान किया। तहसील अध्यक्ष अनिल कुमार गौतम ने अध्यक्षता करते हुए बताया कि 14 अप्रैल को बाबा साहब की जयंती माता प्रसाद जायसवाल इंटर कॉलेज में मनाई जाएगी।

हाईटेंशन तार से टकराई बस एक युवक की मौतः 3 लोग झुलसे

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। चिल्हिया थाना क्षेत्र में रविवार दोपहर एक बस हाईटेंशन तार की चपेट में आ गई। जिसके एक व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं तीन अन्य गंभीर रूप से झुलस गए। बस शव लेकर अयोध्या जा रही थी। इसी दौरान करौंदा नानकार गांव के पास मां गायत्री इंटर कॉलेज के पास हादसा हो गया।

शोहरतगढ़ थाना क्षेत्र के लखनपारा गांव निवासी राम नरेश का शव लेकर परिजन और ग्रामीण बस से अयोध्या जा रहे थे। रविवार दोपहर करीब दो बजे बस चिल्हिया थाना क्षेत्र के करौंदा नानकार गांव के पास पहुंची। बताया गया कि सामने से आ रहे एक चार पहिया वाहन को साइड देने के प्रयास में चालक ने बस को सड़क की पटरी पर उतार दिया। सड़क से नीचे उतरते ही बस का ऊपरी हिस्सा ऊपर से गुजर रहे 11 हजार वोल्ट के हाईटेंशन तार से टकरा गया। तार के संपर्क में आते ही बस में करंट दौड़ गया, जिससे उसमें सवार यात्री इसकी चपेट में आ गए। हादसे में श्याम सुंदर (60) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि राम आजोर साहनी, जगदीश और बस का कंडक्टर गंभीर रूप से झुलस गए। घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है।

शोहरतगढ़ सीओ ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। उन्होंने हादसे में एक व्यक्ति की मौत और तीन लोगों के गंभीर रूप से घायल होने की पुष्टि की। घायलों को उपचार के लिए माधव प्रसाद तिवारी मेडिकल कॉलेज भेजा गया है। मृतक श्याम सुंदर (60) के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

घर के कमरे में फांसी के फंदे से लटकता मिला महिला ग्राम प्रधान का शव

संवाददाता–अयोध्या। पूरा कलन्दर थाना क्षेत्र के छतिरवा गांव में रविवार को उस समय सनसनी फैल गई, जब गांव की महिला ग्राम प्रधान का शव उनके घर के अंदर कमरे में फांसी के फंदे से लटका मिला। मृतका की शिनाख्त 35 वर्षीय सीमा रावत के रूप में हुई है, जो स्वर्गीय कर्मवीर की पत्नी थीं और वर्तमान में गांव की ग्राम प्रधान थीं। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के अनुसार, सीमा रावत अपने घर में थीं। परिजनों ने उनके कमरे का दरवाजा खटखटाया लेकिन, अंदर से कोई प्रतिक्रिया न मिलने पर परिजनों और आसपास के लोगों को शक हुआ। जब लोगों ने कमरे के अंदर झांककर देखा तो सीमा रावत का शव फंदे से लटका मिला। घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई।सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। दरवाजा अंदर से कुंडी लगा होने के कारण पुलिस ने दरवाजा तोड़कर कमरे में प्रवेश किया और शव को नीचे उतारा। हालांकि तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। घटना के बाद पूरे गांव में शोक और तरह–तरह की चर्चाए शुरू हो गईं।पुलिस के अनुसार प्रथम दृष्टया आत्महत्या की आशंका जताई जा रही है, लेकिन सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।इस संबंध में थाना प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार शर्मा ने बताया कि अभी मौत का कारण स्पष्ट नहीं है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही वास्तविक कारण सामने आएगा, जिसके आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

नवरात्र से अयोध्या में रामलला के दर्शन का समय बदलेगा, नहीं जारी होंगे वीआईपी पास

संवाददाता–अयोध्या। नवरात्र से रामलला के दर्शन छह बजे से होंगे। दर्शन अवधि में बदलाव से सुबह शृंगार आरती का समय बदलेगा, जोकि भोर में 5.30 से 5.50 बजे तक होगा। वर्ष प्रतिपदा से ही चैत्र रामनवमी मेला का शुभारम्भ हो रहा है। इसी तिथि पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का भी आगमन होना तय हो गया है। ऐसी स्थिति में उस तिथि पर वीआईपी दर्शन पास के अन्तर्गत सुबह सात बजे से रात्रि नौ बजे के बीच दो–दो घंटे के स्लाट के लिए ट्रस्ट द्वारा जारी किए जाने वाले सुगम व विशिष्ट दर्शन पास भी नहीं जारी किए जाएंगे। डा. मिश्र ने बताया कि विशिष्ट व सुगम दर्शन के जो पास ऑनलाइन बनाए जा चुके हैं, वह सभी पास भी स्वतः निरस्त माने जाएंगे। आरती पास के संदर्भ में उन्होंने बताया कि मंगला आरती व शृंगार आरती एवं शयन आरती पास को लेकर विचार विमर्श चल रहा है। भीड़ की स्थिति को ध्यान में रखकर जिला प्रशासन की सहमति के अनुसार निर्णय लिया जाएगा। यहां आने वाले श्रद्धालु रामनवमी के अवसर पर मध्याह्न 12 बजे रामलला का प्राकट्योत्सव मनाने के बाद ही वापस लौटते हैं। इसके कारण अंतिम तिथियों में सभी तरह के पास निरस्त कर देर रात मंदिर का पट दर्शनार्थियों के लिए खोला जाता रहा है। सूर्य की किरणें रामलला के ललाट पर देखने वाले भी रामनवमी पर आते हैं। किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि की 22वीं किस्त जारी होने के उपलक्ष्य में ब्लॉक समागार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लाइव प्रसारण सुनने का कार्यक्रम का आयोजन किया गया। एडीओ कृषि अजय सिंह ने इस का आयोजन किया।

चैत्र नवरात्र के पहले दिन से शुरू होने वाले रामनवमी मेला में वैसे तो नौ दिवसीय अनुष्ठान के लिए ही यहां श्रद्धालुओं की भीड़ का आगमन शुरू हो जाता है। फिर भी अंतिम तीन दिवसों सप्तमी, अष्टमी व नवमी को यहां परम्परागत रूप से सर्वाधिक श्रद्धालुओं का आगमन होता है। इन दिनों विशेष सुरक्षा के प्रबंध रहेंगे। चैत्र नवरात्र के पहले दिन से शुरू होने वाले रामनवमी मेला में वैसे तो नौ दिवसीय अनुष्ठान के लिए ही यहां श्रद्धालुओं की भीड़ का आगमन शुरू हो जाता है। फिर भी अंतिम तीन दिवसों सप्तमी, अष्टमी व नवमी को यहां परम्परागत रूप से सर्वाधिक श्रद्धालुओं का आगमन होता है। इस अनुष्ठान के सहायक आचार्य व कारसेवक पुरम स्थित वेद विद्यालय के प्रधानाचार्य इंद्रदेव मिश्र ने बताया कि इस महायज्ञ में एक लाख साठ हजार आहुतियां डाली जाएंगी। चतुर्वेदों के पारायण के साथ मंत्रों से आहुतियां डाली जा रही हैं।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

वाद सं0–
धारा 116 उ0प्र0रा0सं0 2006
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी (न्यायिक) महोदय भानपुर जिला–बस्ती

रामचन्दर
बनाम
राकेश कुमार आदि

1. राकेश कुमार 2. जितेन्द्र कुमार 3. चन्द्रकेश कुमार 4. राहुल 5. प्रमोद कुमार पुत्रगण टीड़ी 6. जगदीश प्रसाद 7. रामभवन 8. रामकिशुन पुत्रगण धर्मराज 9. रामतील 10. मुरली प्रसाद पुत्रगण सोमन 11. रामकिशोर पुत्र राम कुमार 12. फूलराम 13. जगदम्बा 14. राम सागर 15. रामधीरज 16. रामजीत पुत्रगण रामरेखा 17. जमुना देवी पत्नी रामशंकर 18. राजाराम पुत्र रामआसरे निवासीगण मौजा औड़जंगल तप्पा कोठिला परगना बस्ती पूरब तहसील भानपुर जिला बस्ती 19. ग्राम पंचायत/प्रधान ग्राम औड़जंगल तप्पा कोठिला परगना बस्ती पूरब तहसील भानपुर जिला बस्ती

तारीख पेशी 23–03–2026

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 23 माह 03 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सकें या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्लई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमूआ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख 12 माह 03 सन 2026 ई0 जारी किया गया। –द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)

न्यायालय–श्रीमान चतुर्थ अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती
जिला–बस्ती

वाद सं0–802/2018
रूद्रमती
बनाम
अश्वनी कुमार

1/1 श्रीमती सन्ध्या मिश्रा पत्नी अश्वनी कुमार 2. प्रान्जल पुत्र अश्वनी कुमार नावालिग ववलायत श्रीमती सन्ध्या मिश्रा माता स्वयं 1/3 अदिती पुत्री अश्वनी कुमार साकिन मौजा पड़री तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 18–03–2026

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुदाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुदाअलेह बनाये जांय। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 18 माह 03 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमूआ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया। द0 हाकिम

डीएम ने गैस सर्विस का निरीक्षण किया, आपूर्ति व्यवस्था, सुरक्षा मानकों की जांच

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। रविवार को जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी.एन. ने क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी विजय कुमार के साथ नौगढ़ स्थित उत्तमा गैस सर्विस का निरीक्षण किया। यह निरीक्षण आमजन को गैस आपूर्ति की व्यवस्था सुचारु और पारदर्शी बनाए रखने के उद्देश्य से किया गया था। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने एजेंसी में उपलब्ध व्यवस्थाओं, अभिलेखों और उपभोक्ताओं को दी जा रही सेवाओं का गहनता से जायजा लिया। जिलाधिकारी ने गैस सिलेंडरों के भंडारण स्थल का निरीक्षण किया और सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि गैस एजेंसियों पर सुरक्षा नियमों का पालन अनिवार्य है, ताकि किसी भी दुर्घटना की आशंका को टाला जा सके। इस दौरान अग्निशमन उपकरणों की उपलब्धता और उनकी कार्यशीलता की भी जांच की गई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि सभी सुरक्षा उपकरण हर समय कार्यशील स्थिति में होने चाहिए।

डीएम ने उपभोक्ताओं के लिए उपलब्ध सुविधाओं का भी जायजा लिया, जिनमें प्रतीक्षालय, पेयजल और शिकायत पंजी शामिल थे। उन्होंने वितरण व्यवस्था का भी निरीक्षण किया। एजेंसी संचालक को निर्देश दिए गए कि उपभोक्ताओं को समय पर गैस सिलेंडर उपलब्ध कराए जाएं। जिलाधिकारी ने चेतावनी दी कि किसी भी प्रकार की अनियमितता या कालाबाजारी की शिकायत मिलने पर संबंधित के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

जिलाधिकारी ने गैस वितरण से संबंधित अभिलेखों की भी जांच की। उन्होंने बुकिंग, डिलीवरी और स्टॉक रजिस्टर का अवलोकन करते हुए निर्देश दिया कि सभी अभिलेख अद्यतन रखे जाएं और वितरण प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता बनी रहे। निरीक्षण के दौरान, जिलाधिकारी ने उपस्थित उपभोक्ताओं से भी बातचीत की और गैस आपूर्ति से जुड़ी उनकी समस्याओं और सुझावों को सुना। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी.एन. ने एजेंसी संचालक को विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्र के उपभोक्ताओं को समयबद्ध और सुगम तरीके से गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इस पूरे निरीक्षण के दौरान क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी विजय कुमार भी उपस्थित रहे।

कार और बाइक की टक्कर में दंपती की मौत

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। तेज रफ्तार कार और बाइक की आमने–सामने हुई जोरदार भिड़ंत में बाइक सवार दंपती की मृत्यु हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों बाइक समेत सड़क से उछलकर दूर जा गिरे। आसपास मौजूद लोगों ने दोनों को उपचार के लिए मेडिकल कालेज भेजा, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार बांसी थाना क्षेत्र के भावपुर गांव निवासी 50 वर्षीय महेंद्र मिश्रा अपनी पत्नी सरिता के साथ किसी काम से जिला मुख्यालय आए थे। रविवार दोपहर करीब ढाई बजे दोनों बाइक से वापस घर लौट रहे थे।

वह अभी जोगिया कोतवाली के सूपा चौराहे के पास पहुंचे ही थे कि सामने से तेज रफ्तार में आ रही कार ने उनकी बाइक को जोरदार ठोकर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक विपरीत दिशा में घूम गई और दंपती सड़क से उछलकर नीचे जा गिरे। बाइक भी गड्ढे में गिरकर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। वहीं, कार चालक वाहन पर से नियंत्रण खो बैठा, जिससे कार सड़क किनारे पलट गई। दुर्घटना के बाद चालक मौके से भाग निकला। घटना के बाद मौके पर बड़ी संख्या में लोग जुट गए। सूचना पर जोगिया थाना पुलिस भी मौके पर पहुंच गयी। पुलिस ने दोनों घायलों को एम्बुलेंस से माधव प्रसाद मेडिकल कालेज के अस्पताल भिजवाया, जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। जोगिया थानाध्यक्ष अभय सिंह ने बताया कि दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर थाने लाया गया है। मामले की जांच की जा रही है। अभी तक इस संबंध में कोई तहरीर नहीं मिली है।

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com